गरवी गुजरात

RNI No. GUJHIN/2011/39228

GARVI GUJARAT

गरवी गुजरात

अहमदाबाद से प्रकाशित दैनिक

वर्ष : 15
अंक : 116
दि. 26.08.2025,
मंगलवार
पाना : 04
किंमत : 00.50 पैसा

EDITOR : MANOJKUMAR CHAMPAKLAL SHAH Regd. Office: TF-01, Nanakram Super Market,Ramnagar,Sabarmati, Ahmedabad-380 005. Gujarat, India.

Phone : 90163 33307 (M) 93283 33307, 98253 33307 • Email : garvigujarat2007@gmail.com • Email : garvigujarat2007@yahoo.com • Website : www.garvigujarat.co.in

अहमदाबाद में पीएम नरेंद्र मोदी का रोड शो, 5400 करोड़ की विकास योजनाओं का किया लोकार्पण-शिलान्यास

अहमदाबाद (एजेंसी)। पीएम मोदी अपने गृह राज्य गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर पहुंच गए हैं। उन्होंने अहमदाबाद में रोड शो किया। उन्होंने यहां 5400 करोड़ रुपये की योजनाओं का लोकार्पण और शिलान्यास किया। सरकार के इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे।

इससे पहले प्रधानमंत्री कार्यालय (पीएमओ) की ओर से जारी बयान में कहा गया कि 26 अगस्त को सुबह लगभग 10.30 बजे प्रधानमंत्री अहमदाबाद के हंसलपुर में हाइब्रिड बैटरी इलेक्ट्रोड के स्थानीय उत्पादन का उद्घाटन करेंगे और 100 देशों को बैटरी इलेक्ट्रिक वाहनों के निर्यात को हरी झंडी दिखाएंगे। विश्व स्तरीय बुनियादी ढांचे और कनेक्टिविटी के प्रति अपनी प्रतिबद्धता के अनुरूप प्रधानमंत्री मोदी 1,400 करोड़ रुपये से अधिक की कई रेलवे परियोजनाओं को राष्ट्र को समर्पित करेंगे। इसमें 530 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 65 किलोमीटर महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, 860 करोड़ रुपये से अधिक की लागत वाली 37 किलोमीटर कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन और 40 किलोमीटर बेचराजी-रानुज रेल लाइन का गेज परिवर्तन शामिल है।

सड़क, पुल और बिजली परियोजनाओं की सौगात

पीएम मोदी वीरमगाम-खुदाद-रामपुरा सड़क के चौड़ीकरण का उद्घाटन करेंगे। वह अहमदाबाद-मेहसाणा-पालनपुर मार्ग पर छह लेन वाले वाहन अंडरपास और अहमदाबाद-वीरमगाम मार्ग पर रेलवे ओवरब्रिज के निर्माण की आधारशिला भी रखेंगे। सरकार के इन पहलों से इस क्षेत्र में औद्योगिक विकास को बढ़ावा मिलेगा, परिवहन दक्षता में सुधार होगा और आर्थिक अवसर बढ़ेंगे। राज्य में विद्युत क्षेत्र को एक बड़ा बढ़ावा देते हुए पीए मोदी उत्तर गुजरात विज कंपनी लिमिटेड (यूजीवीसीएल) के अंतर्गत अहमदाबाद, मेहसाणा और गांधीनगर में विद्युत वितरण परियोजनाओं का उद्घाटन करेंगे।

स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन

पीएम मोदी प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के स्व-स्थाने स्लम पुनर्वास घटक के अंतर्गत रामापीर ने टेकरो के सेक्टर-3 में स्लम विकास परियोजना का उद्घाटन करेंगे।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025: एसआईआर में 98 फीसदी वोटरों की पहचान पक्की, अब अंतिम मतदाता सूची पर टिकी निगाहें

(एजेंसी)।

देश में इस साल एक ही बड़ा चुनाव होने वाला है। वो है बिहार विधानसभा चुनाव 2025। यह चुनाव न केवल प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी का टेस्ट है बल्कि बिहार के मौजूदा मुख्यमंत्री नीतीश कुमार की परीक्षा भी है। इंडिया गठबंधन के दो बड़े पार्टनर कांग्रेस के राहुल गांधी और राष्ट्रीय जनता दल के तेजस्वी यादव को भी असलियत का पता चला जाएगा।

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 दलित यूथ आइकन केंद्रीय उद्योग मंत्री लोक जनशक्ति पार्टी (रामविलास) के चिराग पासवान का शक्ति प्रदर्शन होने के साथ-साथ गेमचेंजर माने जा रहे जन सुराज पार्टी प्रशांत किशोर का भी फैसला होगा कि अर्श पर रहेंगे फर्श पर।

दरअसल, बिहार में विधानसभा की कुल 243 सीटें हैं। एक-एक सीट पर कांटे की टक्कर है, क्योंकि बिहार का यह चुनाव लोकसभा चुनाव 2029 का रास्ता तय करेगा। जनवरी 2024 में इंडिया गठबंधन छोड़कर एनडीए में वापसी करने वाले नीतीश कुमार, आरजेडी के तेजस्वी और तेजप्रताप की अलग-अलग राजनीतिक बयानबाजी और चिराग पासवान व प्रशांत किशोर ने मुकाबले को रोचक बना दिया है।

बिहार में एसआईआरः 98 फीसदी वोटरों के दस्तावेज जमा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 में मतदाता सूचियों का विशेष गहन पुनरीक्षण सबसे बड़ा मुद्दा बना हुआ है। चुनाव आयोग की साख पर सवाल उठ रहे हैं। विशेष गहन पुनरीक्षण चुनाव आयोग की ओर से चलाया जा रहा खास अभियान है, जिसका मकसद मतदाता सूचियों का अपडेट करने, सत्यापित और उसे अधिक समावेशी बनाना है।

विशेष गहन पुनरीक्षण के दौरान बिहार की मतदाता सूचियों में से जुलाई 2025 तक 65 लाख से अधिक नाम हटाए जाने के बाद से सियासी पारा चढ़ा हुआ है। इसी कड़ी में निर्वाचन आयोग बिहार ने बताया कि एसआईआर के दौरान अब तक 98.2 प्रतिशत वोटरों के दस्तावेज प्राप्त कर चुके हैं।

एसआईआर के तहत मतदाताओं की पहचान संबंधी दस्तावेज जमा करवाने की प्रक्रिया 24 जून से शुरू हुई थी, जो 24 अगस्त 2025 को पूरी हो चुकी है। 60 दिन की इस प्रक्रिया में अधिकांश मतदाताओं की पहचान कर ली। 25 सितंबर तक मतदाता सूचियों पर दावे और आपत्तियों का निपटारा किया जाएगा। 30 सितंबर को अंतिम मतदाता सूची प्रकाशित की जाएगी।

राहुल गांधी की वोटर अधिकार यात्रा

बिहार विधानसभा चुनाव 2025 की तारीखों के ऐलान से पहले लोकसभा में नेता प्रतिपक्ष व कांग्रेस ने देश में कथित 'वोट चोरी' को मुद्दा बनाया है, जिस पर पिछले दिनों चुनाव आयोग को प्रेस कॉन्फ्रेंस करके सफाई तक देनी पड़ी।

गुजरात के दो दिवसीय दौरे पर पहुंचे प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी : अहमदाबाद हवाई अड्डे पर राज्यपाल और मुख्यमंत्री ने गर्मजोशी से किया स्वागत

गांधीनगर, 25 अगस्त : प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी गुजरात के अपने दो दिवसीय दौरे पर सोमवार को अहमदाबाद पहुंचे। राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत और मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्र पटेल ने हवाई अड्डे पर उनका गर्मजोशी से स्वागत किया।

प्रधानमंत्री अपने गुजरात दौरे के दौरान 'विकसित भारत, विकसित गुजरात' के अंतर्गत करोड़ों रुपए के विकास कार्यों का शिलान्यास और लोकार्पण करेंगे।

प्रधानमंत्री के आगमन पर केंद्रीय मंत्री और भाजपा के प्रदेश अध्यक्ष श्री सी.आर. पाटिल, राज्य के मुख्य सचिव श्री पंकज जोशी, पुलिस महानिदेशक श्री विकास सहाय, सामान्य प्रशासन विभाग (जीएडी) की अपर मुख्य सचिव श्रीमती सुनयना तोमर, एयर मार्शल एस. श्रीनिवास, अहमदाबाद पुलिस आयुक्त श्री जी.एस. मलिक, चीफ प्रोटोकॉल अधिकारी श्री ज्वलंत त्रिवेदी और अहमदाबाद कलेक्टर श्री सुजीत कुमार सहित कई वरिष्ठ अधिकारियों ने भी उनका स्वागत किया।

हरक सिंह के सोशल मीडिया पोस्ट से मचा सियासी बवंडर

उत्तराखंड में विधानसभा चुनाव 2027 को लेकर कांग्रेस में हरक सिंह के बयान के बाद अब हरीश रावत ने सोशल मीडिया पोस्ट के जरिए तंज कसने के साथ नया सियासी दांव भी चला है। हरीश रावत ने लिखा है कि प्रायश्चित करने का सभी को हक है। ऐसे उज्याड़ू बल्द को भी जिसे कांग्रेस ने उत्तराखंड से अपनवाया, मुख्यमंत्री के पद तक पहुंचाया और जिस व्यक्ति ने अपने महान पिता के सामाजिक सद्भाव व धर्मनिरपेक्षता के महानतम सिद्धांतों को चौराहे पर आग लगा दी और कांग्रेस पार्टी की पीठ पर छूरा भौंककर भाजपा की गोद में बैठ गये। धर्म पद के लिए धर्मगुरु की पहचान को तिलांजलि देने वालों को भी प्रायश्चित का हक है।

अमेरिकी टैरिफ तनाव के बीच पीएम मोदी का करारा जवाब

(एजेंसी)।

प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने सोमवार को एक बार फिर 'स्वदेशी' उत्पादों के उपयोग पर जोर दिया। यह ऐसे समय में हुआ है जब भारत,अमेरिकी टैरिफ व्यवस्था के खिलाफ अपना रुख लगातार सख्त कर रहा है। अमेरिका भारत द्वारा रूस से तेल खरीदने को "जुमार्ना" बता रहा है और जल्द ही भारत से अमेरिका निर्यात की जाने वाली वस्तुओं पर 25% अतिरिक्त टैरिफ लगने वाला है।

प्रधानमंत्री मोदी ने "आत्मनिर्भरता के उत्सव" का आह्वान किया है। उन्होंने अहमदाबाद में एक कार्यक्रम में व्यापारियों से कहा कि वे अपनी दुकानों के बाहर एक बड़ा बोर्ड लगाएं जिस पर लिखा हो कि वे 'स्वदेशी' उत्पाद बेचते हैं। उन्होंने आगामी त्योहारों के मौसम का विशेष रूप से जिक्र किया।

कहा - दुकानों के बाहर 'स्वदेशी' बोर्ड लगाएं

मोदी ने कहा, "अब नवरात्रि, विजय दशमी (दशहरा), धनतेरस, दीपावली, ये सभी त्योहार आ रहे हैं। ये हमारी संस्कृति के उत्सव हैं, लेकिन इन्हें आत्मनिर्भरता का उत्सव भी होना चाहिए।" उन्होंने जोर देकर कहा, "इसलिए, मैं आपसे एक बार फिर अपना अनुरोध दोहराना चाहता हूं कि हमें अपने जीवन में एक मंत्र अपनाना चाहिए: हम जो कुछ भी खरीदेंगे, वह 'मेड इन इंडिया' होगा; वह स्वदेशी होगा।"

बोर्ड लगाएं "मेरे यहां स्वदेशी बिकता है"

पीएम मोदी ने कहा, "मैं व्यवसायों को अन्य देशों से प्राप्त वस्तुओं को बेचने से बचने के लिए भी प्रोत्साहित करता हूं। ये छोटे लेकिन प्रभावशाली कदम हमारे राष्ट्र की प्रगति और समृद्धि में महत्वपूर्ण भूमिका निभा सकते हैं।" उन्होंने विक्रेताओं से कहा कि उन्हें यह बोर्ड प्रदर्शित करने में गर्व महसूस करना चाहिए, "मेरे यहाँ स्वदेशी बिकता है।"

याद रहे, मोदी ने अपने 11 साल के प्रधानमंत्री के कार्यकाल में 'वोकल फॉर लोकल' और 'मेक इन इंडिया' पर जोर दिया है, हालांकि विपक्ष ने यह कहकर इस बात को गलत साबित करने की कोशिश की है कि इस दौरान विनिर्माण में कोई वृद्धि नहीं हुई है।

ट्रंप के टैरिफ का करारा जवाबा 'स्वदेशी' गौरव आंदोलन

प्रधानमंत्री का 'स्वदेशी' गौरव आंदोलन अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रम्प द्वारा लगाए गए शुल्कों को लेकर वैश्विक व्यापार तनाव के संदर्भ में देखा जा रहा है। उन्होंने अपने मासिक रेडियो शो 'मन की बात' के नवीनतम एपिसोड का उपयोग यह कहने के लिए किया कि राष्ट्र की सच्ची सेवा स्वदेशी वस्तुओं को बढ़ावा देने में निहित है।

अहमदाबाद से सोमवार को यह अपील एक सप्ताह से भी कम समय पहले आई है जब 25% अतिरिक्त टैरिफ लागू होगा - पहले से ही लगाए गए 25% के अलावा - जिसे अमेरिका यूक्रेन में युद्ध के बावजूद रूस से भारत द्वारा तेल खरीदने के लिए "जुमार्ना" कहता है। भारत ने इसके तर्क पर सवाल उठाया है, और अपनी संप्रभुता पर जोर दिया है।

हालांकि वास्तव में, हाल ही में रूस के साथ संबंधों में मजबूती आई है, साथ ही चीन के साथ संबंधों में भी नरमी आई है। इस बीच, 'स्वदेशी' अभियान में, राष्ट्रवाद और गर्व के आह्वान के अलावा, आतंकवाद के वित्तपोषण और "लव जिहाद" के आरोप भी लगाए गए हैं।

मुख्यमंत्री ने अंतरिक्ष यात्री ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के लखनऊ आगमन पर उनका अभिनन्दन किया

भारत के किसी नागरिक को 04 दशक बाद अंतरिक्ष यात्रा के लिए भेजने का अवसर प्राप्त हुआ, श्री शुभांशु शुक्ला उ0प्र0 के पहले अंतरिक्ष यात्री, जो किसी स्पेस मिशन के साथ जुड़े : मुख्यमंत्री

अंतरिक्ष विज्ञान के क्षेत्र में उ0प्र0 के युवाओं के लिए आगे बढ़ने के अवसर तथा सम्भावनाएं हैं

राज्य सरकार स्पेस टेक्नोलॉजी के क्षेत्र में उच्च अध्ययन अर्जित करने वाले छात्रों के लिए ग्रुप कैप्टन शुभांशु शुक्ला के नाम पर छात्रवृत्ति जारी करेगी

माता-पिता के संस्कारों से पुत्र ने आगे बढ़कर सफलता की नई ऊंचाइयों को प्राप्त किया।

भोपाल से बीजेपी सांसद आलोक शर्मा का विवादित बयान, लव जिहाद से लेकर प्यारे मियां सहित शारिक मछली मामलों को लेकर बोले- ये भोपाल मुसलमानों का नहीं है

(एजेंसी)।

भोपाल से सांसद चुने जाने के बाद आलोक शर्मा लगातार अपने बयानों की वजह से सुर्खियों में बने हुए हैं। कभी धार्मिक कटाक्ष तो कभी विवादित टिप्पणियां-आलोक शर्मा का अंदाज बताता है कि वे बयानबाजी के जरिए राजनीतिक बहस को गर्माए रखना चाहते हैं। इस बार उन्होंने एक मटकी फोड़ कार्यक्रम में ऐसा बयान दिया, जिसने सियासी हलचल मचा दी है।

करोंद इलाके में आयोजित मटकी फोड़ कार्यक्रम में मंच से बोलते हुए आलोक शर्मा ने कहा- "ये भोपाल मुसलमानों का भोपाल नहीं है। ये भोपाल सम्राट अशोक, चंद्रगुप्त मौर्य, प्रतिहार वंश, राजा भोज और रानी कमलापति का भोपाल है। हमें सनातन संस्कृति की रक्षा करनी होगी। लव जिहाद बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।"

इस बयान के साथ उन्होंने लव जिहाद के खिलाफ सख्त कार्रवाई की बात कही और शारिक मछली से लेकर प्यारे मियां जैसे मामलों का जिक्र किया। इस बयान ने न केवल सियासी हलचल मचाई, बल्कि सोशल मीडिया पर भी तीखी प्रतिक्रियाएं देखने को मिलीं। कांग्रेस ने इसे देश-विरोधी और विभाजनकारी करार दिया, जबकि कैबिनेट मंत्री विश्वास सारंग ने इसका समर्थन किया। यह बयान आलोक शर्मा की उन टिप्पणियों की कड़ी में है, जो पहले भी सांप्रदायिक तनाव बढ़ाने के लिए आलोचनाओं का शिकार हो चुकी हैं।

आलोक शर्मा का विवादों से नाता

आलोक शर्मा, जो 2024 में भोपाल से पहली बार सांसद चुने गए, इससे पहले भोपाल के मेयर रह चुके हैं। उनके बयान अक्सर सांप्रदायिक तनाव को बढ़ाने के लिए आलोचनाओं का शिकार होते रहे हैं। मई 2025 में उन्होंने लव जिहाद के आरोपियों की नसबंदी की मांग की थी, जिस पर भारी विवाद हुआ। इसके बाद जून 2025 में उन्होंने भोपाल के जिम ट्रेनर्स को निशाना बनाते हुए कहा था कि मुस्लिम ट्रेनर्स की सूची बनाकर पुलिस को सौंपी जाएगी, क्योंकि वे कथित तौर पर लव जिहाद में शामिल हैं।

इस बार के बयान में उन्होंने भोपाल की ऐतिहासिक और सांस्कृतिक पहचान को जोड़ते हुए मुस्लिम समुदाय को निशाना बनाया। उन्होंने शारिक मछली और प्यारे मियां जैसे मामलों का उल्लेख किया, जो भोपाल में हाल के वर्षों में लव जिहाद के आरोपों से जुड़े रहे हैं। शारिक मछली के मामले में एक विशेष जांच दल (रक्ष) गठित किया गया था, और प्यारे मियां के मामले में भी कई गंभीर आरोप सामने आए थे।

पीएम नरेंद्र मोदी की डिग्री नहीं होगी सार्वजनिक, हाई कोर्ट का बड़ा फैसला, कहा- ये निजी हक है, जनता का नहीं

(एजेंसी)।

दिल्ली हाई कोर्ट ने सोमवार (25 अगस्त) को एक अहम फैसला सुनाया। अदालत ने साफ कर दिया कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री से जुड़ी जानकारी जनता को RTI के जरिए नहीं मिल सकती। हाई कोर्ट ने आठ साल पुराने केंद्रीय सूचना आयोग (CIC) के उस आदेश को रद्द कर दिया, जिसमें दिल्ली यूनिवर्सिटी को डिग्री का रिकॉर्ड साझा करने का निर्देश दिया गया था। अदालत ने माना कि यह मामला व्यक्तिगत गोपनीयता से जुड़ा है और जनता की सिर्फ "जिज्ञासा" के लिए ऐसी जानकारी देना उचित नहीं।

दिल्ली हाई कोर्ट ने आदेश में स्पष्ट किया कि दिल्ली यूनिवर्सिटी पीएम नरेंद्र मोदी की ग्रेजुएशन डिग्री का विवरण सार्वजनिक करने के लिए बाध्य नहीं है। दरअसल साल 2016 में CIC ने यह अनुमति दी थी कि 1978 में बीए की परीक्षा पास करने वाले सभी छात्रों का रिकॉर्ड देखा जा सकता है। उसी साल पीएम नरेंद्र मोदी के भी ग्रेजुएट होने का दावा किया जाता है। इस आदेश को दिल्ली यूनिवर्सिटी ने अदालत में चुनौती दी थी और जनवरी 2017 में ही हाई कोर्ट ने उस पर रोक लगा दी थी।

2016 में एक RTI लगाई गई थी, जिसमें मांग की गई कि 1978 में इअ पास करने वाले सभी छात्रों का रिकॉर्ड दिखाया जाए।

दावा किया गया कि उसी साल प्रधानमंत्री मोदी ने भी BA की पढ़ाई पूरी की थी।

यूनिवर्सिटी ने यह जानकारी देने से मना कर दिया और कहा कि यह तीसरे पक्ष (थर्ड पार्टी) का निजी मामला है।

CIC ने इस तर्क को नहीं माना और कहा कि PM की शैक्षणिक योग्यता सार्वजनिक हित का विषय है। इसी आदेश को दिल्ली यूनिवर्सिटी ने हाई कोर्ट में चुनौती दी।

अदालत में क्या दलीलें दी गईं?

सॉलिसिटर जनरल तुषार मेहता (DU की ओर से) ने कहा कि "राइट टू प्राइवेसी, राइट टू इन्फॉर्मेशन से बड़ा है।"

यूनिवर्सिटी का कहना था कि वह छात्रों की जानकारी फिड्यूशियरी कैपेसिटी यानी विश्वास की जिम्मेदारी के तहत संभालती है, इसलिए इसे "अजनबियों" को नहीं दिया जा सकता। वहीं RTI एक्टिविस्ट की तरफ से कहा गया कि डिग्री तो राज्य द्वारा दी जाने वाली सार्वजनिक मान्यता है, यह निजी जानकारी नहीं मानी जा सकती।

दिल्ली हाई कोर्ट का फैसला

जस्टिस सचिन दत्ता ने उक्त का आदेश रद्द करते हुए कहा कि सिर्फ जिज्ञासा या राजनीतिक कारणों से किसी की निजी जानकारी नहीं मांगी जा सकती। हालांकि यूनिवर्सिटी ने कोर्ट को भरोसा दिलाया कि वह प्रधानमंत्री की डिग्री का रिकॉर्ड अदालत के समक्ष प्रस्तुत करने के लिए तैयार है।

सम्पादकीय

सुप्रीम कोर्ट - अदालतें हस्तक्षेप करने में असमर्थ हैं?

सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर राज्यपाल अनिश्चितकाल तक विधेयकों को पेडिंग रखते हैं तो इससे विधान मंडल निष्क्रिय हो जाएगा। ऐसी स्थिति में क्या अदालतें हस्तक्षेप करने में असमर्थ हैं? दरअसल मई 2025 में राष्ट्रपति द्रौपदी मुर्मू ने अनुच्छेद 143(1) के तहत सुप्रीम कोर्ट से यह राय मांगी थी कि क्या न्यायालय आदेशों द्वारा राष्ट्रपति-राज्यपाल को समय-सीमा में बांध सकता है? चीफ जस्टिस आर गवई, जस्टिस सूर्यकांत, जस्टिस विक्रम नाथ, जस्टिस पीएस नरसिम्हा और जस्टिस एएस चंदूरकर की पीठ इसी प्रोजिटेंशियल रेफरेंस पर सुनवाई कर रही है। सुनवाई के दौरान शुक्रवार को भारत सरकार के सॉलिसीटर जनरल ने दलीलें दी कि न्यायपालिका राष्ट्रपति या राज्यपाल को बाध्यकारी निर्देश नहीं दे सकती। तब चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि क्या हम यह कहें कि चाहे संवैधानिक पदाधिकारी कितने भी ऊंचे हों, यदि वे कार्य नहीं करते तो अदालत असहाय है? हस्ताक्षर करना है या अस्वीकार करना है, उस कारण पर हम नहीं जा रहे कि उन्होने क्यों किया। परन्तु यदि सक्षम विधान मंडल ने कोई अधिनियम पारित कर दिया है और माननीय राज्यपाल बस उस पर बैठे रहें तो सॉलिसीटर जनरल ने कहा कि हर समस्या का समाधान कोर्ट में नहीं खोजा जा सकता। सुप्रीम कोर्ट ने कहा कि अगर वुछ राज्यपाल विधानसभा द्वारा पारित विधेयकों पर बैठे हुए हैं और उन पर निर्णय नहीं ले रहे हैं, ऐसे में राज्यों को न्यायिक समाधान के बजाए राजनीतिक समाधान तलाशने होंगे। सुप्रीम कोर्ट ने सवाल किया कि अगर राज्यपाल विधेयकों में देर करते हैं तो रास्ता क्या है? तब सॉलिसीटर जनरल तुषार मेहता ने कहा कि व्यावहारिक उत्तर यह है कि यदि कोई राज्यपाल विधेयकों पर बैठे रहते हैं तो राजनीतिक समाधान होते हैं। और ऐसे समाधान हो भी रहे हैं। हर जगह ऐसा नहीं होता कि राज्य को सुप्रीम कोर्ट आने की सलाह दी जाए। मुख्यमंत्री जाते हैं और प्रधानमंत्री से अनुरोध करते हैं। मुख्यमंत्री राष्ट्रपति से मिलते हैं।

प्रतिनिधिमंडल जाते हैं और कहते हैं कि ये विधेयक लंबित पड़े हैं, कृपया राज्यपाल से बात करें ताकि वे किसी न किसी रूप में निर्णय लें। कई बार टेलीफोन पर ही मामले को निपटा लिया जाता है। मुख्यमंत्री, प्रधानमंत्री और राज्यपाल की संयुक्त बैठवें होती हैं और इस तरह गतिरोध समाप्त होता है। लेकिन इससे ये अधिकार क्षेत्र यानी ज्यूरिएडिक्शन नहीं मिल जाती कि जुडिशियल निर्णय के द्वारा समय-सीमा तय कर दें। सवाल यह है कि जब संविधान में समय-सीमा निर्धारित नहीं है तो क्या अदालत समय-सीमा तय कर सकती हैं? भले ही उसके लिए औचित्य हो? ऐसे मुद्दे कई दशकों से हर राज्य में उठते रहे हैं। लेकिन जब राजनीतिक (स्टेटसमैन शिप) और राजनीतिक परिपक्वता दिखाई जाती है तो वे केंद्र के संवैधानिक कार्यवाहकों से मिलते हैं, चर्चा करते हैं और राजनीतिक समाधान निकाल लेते हैं, यही इन समस्याओं के समाधान हैं। जस्टिस सूर्यकांत ने पूछा कि अगर राज्यपाल की निष्क्रियता के खिलाफ कोई पीड़ित राज्य अदालत के पास आता है तो क्या आपके अनुसार न्यायिक समीक्षा पूरी तरह निषिद्ध है। इन पर तुषार मेहता ने कहा कि वे राज्यपाल की कार्रवाई की न्याय संगलता के प्रश्न पर नहीं है, बल्कि इस प्रश्न पर है कि क्या अदालत राज्यपाल को समय-सीमा के भीतर कार्य करने का निर्देश दे सकती है। इन पर चीफ जस्टिस ने कहा कि अगर कोई गलत है, तो उपाय तो होना चाहिए। मेहता ने उत्तर दिया कि देश की हर समस्या का समाधान इस मंच (सुप्रीम कोर्ट) से नहीं हो सकता। इस पर चीफ जस्टिस ने सवाल किया कि अगर कोई संवैधानिक पदाधिकारी बिना किसी कारण अपना कर्तव्य नहीं निभाता, तो क्या इस न्यायालय के हाथ बंधे हुए हैं? जस्टिस सूर्यकांत ने इस दौरान जोड़ा कि अगर व्याख्या की शक्ति सुप्रीम कोर्ट में निहित है तो कानून की व्याख्या अदालत को ही करनी होगी।

'मैंने भारत-पाक के बीच संभावित परमाणु युद्ध रुकवाया', ट्रम्प ने फिर दावा, रोके हुए गए युद्धों की संख्या 7 की

(एजेंसी)।

अमेरिकी राष्ट्रपति डोनाल्ड ट्रंप ने सोमवार को व्हाइट हाउस में पत्रकारों से बात करते हुए एक बार फिर भारत-पाकिस्तान युद्ध रुकवाने का श्रेय लिया। इसके साथ ही उनके द्वारा रोके गए युद्धों की लिस्ट में एक और युद्ध जोड़ा, जिनकी संख्या वह बार-बार छह और सात के बीच बताते रहते हैं। उन्होंने कहा कि उन्होंने इनमें से चार युद्धों को बिजनेस टैक्स का लाभ उठाकर रोका।

डोनाल्ड ट्रंप ने दावा किया कि उन्होंने मई में भारत और पाकिस्तान के बीच "संभावित परमाणु युद्ध" को रोक दिया था। हालांकि , भारत ने इस दावे को खारिज किया है, लेकिन ट्रंप इसे दो दर्जन से अधिक बार दोहरा चुके हैं। इस बार उन्होंने रूस-यूक्रेन युद्ध को भी अपनी इस लिस्ट में शामिल किया, जिसमें वह फिलहाल मध्यस्थता कर रहे हैं।

ट्रंप ने अपने हालिया मध्यस्थता के अनुभवों के बारे में बताया, "मैंने सोचा था कि हमने जिन सात युद्धों को निपटाया है, उनमें यह सबसे आसान होगा, लेकिन युद्ध में कभी नहीं पता चलता कि क्या होगा।"

उन्होंने रूसी राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन और यूक्रेन के वोलोडिमिर जेलेंस्की से इस महीने की शुरूआत में मुलाकात की थी और कहा था, "मुझे लगता है कि हम जल्द ही एक समझौते पर पहुँच जाएंगे।"

ट्रंप ने कीव में "बम लोड होने" को समझौते में बाधा बताया। उन्होंने अलास्का आने के लिए पुतिन की प्रशंसा की और उनकी यात्रा को "युद्ध समाप्त करने की उनकी इच्छा का एक बड़ा संकेत" बताया। नाटो और यूक्रेन को धन मुहैया कराने के संबंध में, ट्रंप ने अपने पूर्ववर्ती जो बिडेन की आलोचना की, क्योंकि उन्होंने यूक्रेन को "अरबों डॉलर" दिए थे।

ट्रंप ने कहा कि अमेरिका अब यूक्रेन को कोई पैसा नहीं देता। उन्होंने जोर दिया कि अमेरिका नाटो को हथियार बेचता है, जो अमेरिका को "पूरा भुगतान" करता है, और फिर नाटो यूक्रेन को मिसाइल और अन्य गोला-बारूद दे सकता है। उन्होंने यह भी कहा, "मैं युद्ध से कोई पैसा नहीं कमाना चाहता।"

ट्रंप ने यह भी दावा किया कि उनके प्रशासन ने जो बिडेन के प्रशासन की तुलना में नाटो को बेहतर हथियार बेचे हैं। विश्लेषकों का कहना है कि ट्रंप की मध्यस्थता से अब तक कोई ठोस प्रगति नहीं हुई है। हालांकि, उनके डिप्टी जेडी वेंस ने हाल ही में कहा है कि बातचीत में समय लगेगा।

इस बीच, भारत भी ट्रंप के इन बयानों के केंद्र में आ गया है। अमेरिकी अधिकारियों, जिनमें वेंस भी शामिल हैं, ने दावा किया कि भारत पर लगाए गए 25%+25% शुल्क, जिन्हें रूसी तेल खरीदने के लिए "जुमार्ना" बताया गया था, एक "आक्रामक आर्थिक दबाव" था, जिसने पुतिन को बातचीत की मेज पर ला दिया।

मोदी सरकार घरेलू मोर्चे पर नए संकल्पों और राजनयिक पुनसंयोजन के साथ प्रतिक्रिया दे रही है। प्रधानमंत्री मोदी ने सोमवार को दोहराया कि भारतीयों को "स्वदेशी" उत्पाद खरीदने चाहिए। वह इस महीने के अंत तक चीन का दौरा करने वाले हैं, ताकि ऐतिहासिक और नए सीमा विवादों के कारण ठप्प पड़े संबंधों में सुधार लाया जा सके। इस दौरे से पहले अतिरिक्त 25% शुल्क ("जुमार्ना") लागू हो जाएगा।

नोबेल शांति पुरस्कार के लिए अपनी लगातार कोशिशों के तहत, ट्रंप ने जिन युद्धों को रोकने का दावा किया है, उनमें आर्मेनिया और अजरबैजान के बीच एक ऐतिहासिक समझौता शामिल है। दूसरा, इस साल जून में इजरायल-ईरान संघर्ष का अंत है। उन्होंने ईरान के परमाणु स्थलों पर इजरायली हमलों का समर्थन किया और दावा किया कि ईरान को "समझौता करो या और क्रूर हमलों का सामना करो" का उनका अल्टीमेटम काम कर गया।

नील नदी को लेकर मिस्र-इथियोपिया विवाद भी उनकी सूची में है, हालांकि दोनों देशों ने उनके दावों का खंडन किया है। उन्होंने रवांडा और डेमोक्रेटिक रिपब्लिक ऑफ कांगो के बीच शांति समझौते की भी घोषणा की। पांचवें नंबर पर, बिना किसी खास क्रम के, थाईलैंड और कंबोडिया के बीच संघर्ष है, जिसके लिए उन्होंने कहा कि युद्धविराम उनके फोन कॉल से हुआ था।

बाद में, कंबोडियाई प्रधानमंत्री हुन मानेट ने नोबेल शांति पुरस्कार समिति को ट्रंप के लिए "नामांकन" पत्र लिखा। पाकिस्तान के सेना प्रमुख फील्ड मार्शल असीम मुनीर, जिनकी

नीलम गिरी के 'बिग बॉस 19' में एंट्री लेने पर आम्रपाली दुबे ने कही ऐसी बात, वायरल हुआ पोस्ट

(एजेंसी)।

टीवी का पॉपुलर रिएलिटी शो बिग बॉस अपने 19वें सीजन के साथ एक बार फिर दर्शकों का मनोरंजन करने के लिए लौट आया है। हर सीजन की तरह इस बार भी अलग-अलग पृष्ठभूमि से आए कंटेस्टेंट्स शो में रंग जमाते नजर आ रहे हैं।

भोजपुरी एक्ट्रेस नीलम गिरी ने 'बिग बॉस 19' में लिया हिस्सा

हालांकि इन सभी कंटेस्टेंट्स में सबसे ज्यादा चर्चा भोजपुरी सिनेमा की लोकप्रिय एक्ट्रेस नीलम गिरी की हो रही है। उनके शो में शामिल होने की खबर से भोजपुरी दर्शकों में खासा उत्साह देखने को मिल रहा है।

ठीं' ¾

आम्रपाली दुबे ने दी शुभकामनाएं

-भोजपुरी फिल्मों की फेमस एक्ट्रेस आम्रपाली दुबे ने नीलम गिरी के इस नए सफर पर उन्हें ढेर सारी शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने अपने इंस्टाग्राम अकाउंट पर नीलम के साथ एक तस्वीर शेयर की है जिसमें दोनों अभिनेत्रियां मुस्कुराती हुई नजर आ रही हैं।

-इस फोटो के साथ आम्रपाली दुबे ने कैप्शन में लिखा है- शुभकामनाएं नीलम गिरी, हमें पूरा भरोसा है कि आप बिग बॉस 19 में धमाल मचाएंगी। घर लौटें, लेकिन ट्रॉफी के साथ।

नीलम गिरि का बलिया से 'बिग बॉस 19' तक का सफर

-जानकारी के अनुसार उत्तर प्रदेश के बलिया जिले में जन्मीं नीलम गिरि ने अपनी पढ़ाई पटना से पूरी की है। एक साधारण परिवार से आने के बावजूद उन्होंने बड़े सपने देखने का साहस दिखाया।

-शुरूआत में नीलम गिरि टिकटॉक और अन्य शॉर्ट वीडियो प्लेटफॉर्म्स पर अपने डांस और एक्टिंग वीडियोज से लोकप्रिय हुई थीं। धीरे-धीरे सोशल मीडिया पर उनकी फैन फॉलोइंग बढ़ती गई और उन्होंने भोजपुरी इंडस्ट्री में कदम जमाना शुरू कर दिया।

नीलम गिरी के साथ पवन सिंह के साथ मिला था पहला बड़ा मौका

-नीलम गिरि की असली पहचान तब बनी जब भोजपुरी इंडस्ट्री के पावर स्टार पवन सिंह ने उन्हें अपने म्यूजिक वीडियो 'धनिया हमार नया बाड़ी हो' में मौका दिया। ये गाना रिलीज होते ही हिट हो गया था और इसने नीलम गिरि को रातों-रात स्टार बना दिया था।

कौन है जयपुर पिंक पैंथर्स का नया कप्तान? विपक्षी टीम को रौंद डालता है यह खिलाड़ी

(एजेंसी)।

जयपुर पिंक पैंथर्स ने प्रो कबड्डी लीग के सीजन 12 के लिए नितिन रावल को कप्तान और रेजा मिरबाघेरी को उप-कप्तान घोषित किया है। नितिन ने सीजन 5 में न्यू यंग प्लेयर के रूप में पिंक पैंथर्स से जुड़कर अपनी पीकेएल यात्रा शुरू की थी। वह सीजन 8 तक टीम के साथ रहे और इस साल फिर से टीम में शामिल हुए हैं। अब वे एक अनुभवी और भरोसेमंद ऑलराउंडर बन चुके हैं, जो युवा टीम के लिए नेतृत्व की भूमिका निभाने के लिए उपयुक्त हैं।

रेजा मिरबाघेरी, जो सीजन 9 में टीम से जुड़े थे और उसी साल चैंपियनशिप जीती गई थी, इस बार उप-कप्तान के रूप में टीम की कमान संभालेंगे। वे डिफेंस के प्रमुख स्तंभ हैं और अपनी लगातार मेहनत और रणनीतिक समझ के लिए जाने जाते हैं।

नितिन और रेजा का नेतृत्व, हेड

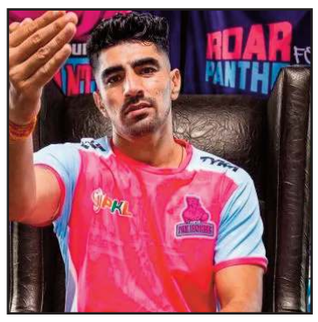

कोच नरेंद्र रेडू के मार्गदर्शन में, टीम को मजबूती देगा। देहरादून में कड़े प्रशिक्षण के बाद टीम अब 2 सितंबर 2025 को विशाखापट्टनम में पटना पाइरेट्स के खिलाफ अपना पहला मुकाबला खेलेगी।

नितिन रावल ने कहा "पीकेएल की शुरूआत यहीं से हुई थी, और अब कप्तानी करना मेरे लिए गर्व की बात है। हमारी टीम युवा और उत्साही है, हम अपने फैंस को खुश करने की पूरी कोशिश करेंगे।"

रेजा मिरबाघेरी ने कहा "जयपुर पिंक पैंथर्स मेरा घर है, और उप-कप्तान बनना सम्मान की बात है। मैं पूरी टीम के साथ बेहतर प्रदर्शन के लिए तैयार हूं।"

नितिन को लेकर हेड कोच नरेंद्र रेडू ने कहा "नितिन और रेजा दोनों टीम के लिए जरूरी संतुलन और ऊर्जा लेकर आते हैं, जो सफल सीजन के लिए जरूरी है।"

नितिन रेडिंग और टैकल दोनों में धमाल मचाते हैं। 100 से ज्यादा मैच अब तक वह खेल चुके हैं और 200 से ज्यादा रेड पॉइंट्स हासिल किये हैं।

'ऐसे परिवार के साथ क्यों रहना जो', संजय दत्त से नाराज हुई बेटी त्रिशाला! क्रिप्टिक पोस्ट ने मचाया तहलका

(एजेंसी)।

संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने सोशल मीडिया पर एक रहस्यमयी पोस्ट साझा की है जिसने तहलका मचा दिया है। त्रिशाला दत्त की इस पोस्ट के बाद अटकलें लगाई जा रही कि वो अपने पापा और परिवार से खफा हैं। उन्होंने इस पोस्ट में ऐसे रिश्तों से दूरी बनाने की बात कही है, जो मानसिक पीड़ा का कारण बनते हैं।

दरअसल, संजय दत्त की बेटी त्रिशाला दत्त ने अपनी इंस्टाग्राम स्टोरीज पर एक ओपेन नोट लिखी। इस नोट में उन्होंने "जोड़तोड़ करने वाले" माता-पिता का जिक्र किया, जो अपनी संतानों के मानसिक स्वास्थ्य की कीमत पर "फैमिली इमेज" को प्राथमिकता देते हैं। यह पोस्ट सोशल मीडिया पर तुरंत वायरल हो गई।

त्रिशाला ने स्पष्ट मैसेज दिया कि हर वह व्यक्ति जिससे खून का रिश ता हो, वह जीवन में जगह पाने का हकदार नहीं है। उन्होंने लिखा, "कभी-कभी, हमारे जानने वाले

सबसे ज्यादा थका देने वाले, अमान्य और नकार देने वाले लोगों को परिवार कहा जाता है।

परिवार का मतलब ये नहीं कि...

त्रिशाला ने अपनी पोस्ट में आगे कहा कि व्यक्ति को अपनी शांतिपूर्ण जिंदगी जीने की आजादी है, जिसमें कम या बिल्कुल भी संपर्क न रखने की स्वतंत्रता शामिल है। त्रिशाला के अनुसार, फैमिली इमेज बनाए रखने के बजाय मेंटल हेल थ को प्राथमिकता देना महत्वपूर्ण है। उन्होंने जोर दिया कि परिवार का अर्थ यह नहीं कि वे किसी के साथ गलत व्यवहार करें, हेरफेर करें या दोषी महसूस कराएं।

ऐसे इंसान से जुड़े रहने के जरूरत नहीं जो...

त्रिशाला ने अपनी पोस्ट में यह भी लिखा, "आत्रिशाला ने साफ शब्दों में लिखा, ऐसे इंसान से जुड़े रहने की जरूरत नहीं है जो आपको तकलीफ पहुंचाता रहे। भले ही उन होंने आपको पाला हो। " उन्होंने माता-पिता पर निशाना साधते हुए कहा कि जब वे इस बात की ज्यादा परवाह करते हैं कि परिवार दुनिया को कैसा दिखता है, बजाय इसके कि उसमें रहना कैसा लगता है, तो यह एक समस्या है।

बता दें कि त्रिशाला दत्त, संजय दत्त और उनकी पहली पत्नी दिवंगत ऋचा शर्मा की बेटी हैं। 1987 में ऋचा शर्मा के साथ संजय की शादी हुई थी। त्रिशाला का जन्म 1988 में हुआ 1996 में अपनी मां की ब्रेन ट्यूमर से मृत्यु के बाद, वह अमेरिका में अपने नाना-नानी के साथ पली-बढ़ीं।वे फिल्म जगत से दूर हैं और पेशे से साइकोलॉजिस्ट हैं। फिलहाल वह अमेरिका में रहती हैं।

400 किमी साइकिल यात्रा, 100 से अधिक सीसीटीवी का सुराग, प्रेमानंद महाराज से मिलने छात्र की अनोखी जिद

राजधानी लखनऊ के पारा क्षेत्र का सातवीं कक्षा का छात्र अचानक घर से गायब हो गया। परिवार की बेचैनी उस वक्त चरम पर पहुंच गई जब रात तक भी उसका कोई सुराग नहीं मिला। मामला पुलिस तक पहुंचा और फिर पूरी कहानी सामने आई।

दरअसल, छात्र ने पढ़ाई को लेकर मां की डांट से आहत होकर घर छोड़ दिया। उसने रेंजर साइकिल उठाई और करीब 400 किलोमीटर दूर वृंदावन की ओर निकल पड़ा। गुमशुदगी की रिपोर्ट दर्ज होने के बाद पुलिस ने सीसीटीवी खंगाले फिर उसी आधार पर उसके पीछे चल दी।

तीन दिन की मशक्कत के बाद छात्र वृंदावन के एक आश्रम में सुरक्षित मिल गया। वह वहां अपने प्रिय संत प्रेमानंद महाराज से मिलने गया था। पुलिस ने उसे बरामद कर परिजनों के हवाले कर दिया। बच्चे के मिलने के बाद परिजनों ने राहत की सांस ली।

मोबाइल सर्च से मिली जानकारी

पुलिस जांच में सामने आया कि छात्र की मां के फोन से लखनऊ से मथुरा की दूरी सर्च की गई थी। इसी आधार पर पुलिस ने दिशा तय की और आगे के कैमरों में तलाश जारी रखी। अंततः वृंदावन तक की जानकारी जुटा ली गई।

आगरा एक्सप्रेसवे पर काकोरी टोल प्लाजा के कैमरों में छात्र साइकिल से जाते दिखाई दिया। वहां से आगे बढ़ते हुए 70 किलोमीटर दूर बांगरमऊ कट पर उसने ट्रक पकड़ा और फिर आगरा उतरकर अपनी साइकिल से यात्रा जारी रखी।

सीसीटीवी ने खोली परत-दर-परत कहानी

चौकी प्रभारी ने बताया कि छात्र सबसे पहले शकुंतला मिश्रा विश्वविद्यालय के पास स्थित अस्पताल के कैमरे में दिखा। इसके बाद कैमरा फुटेज का पीछा करते हुए पुलिस सीसीटीवी के आधार पर उसे देखते हुए बढ़ती चली गई।

करीब 100 सीसीटीवी फुटेज खंगालने के बाद स्पष्ट हो गया कि बच्चा वृंदावन की ओर बढ़ रहा है। पुलिस ने तुरंत टीम रवाना की और वहां के आश्रम से उसे सकुशल बरामद किया। पकड़े जाने के बाद बच्चे ने पुलिस को पूरी कहानी बताई।

लंबे समय से प्रेमानंद महाराज से मिलना चाहता था

छात्र ने पुलिस को बताया कि वह प्रेमानंद महाराज से मिलने का लंबे समय से इच्छुक था। वह उनके प्रवचन और वीडियो नियमित देखता था और उनसे मिलने की जिद मन में पाल रखी थी। इसी के चलते वह साइकिल से ही निकल गया।

पूछताछ में उसने बताया कि यात्रा के दौरान उसने साइकिल की हैंडिल पर अपनी शर्ट बांध दी और राधा-राधा नाम जपता रहा। उसका कहना था कि थकान भी भक्ति के भाव में गायब हो गई और वह सीधे वृंदावन पहुंच गया।

नारी संवेदना का पर्व हरितालिका तीज हरितालिका तीज पर विशेष

भारत त्योहारों का देश है। यहां प्रत्येक पर्व किसी न किसी धरमिक, सांस्वृतिक और सामाजिक परंपरा से जुड़ा होता है।

इन्हीं पर्वों में से एक है हरितालिका तीज। इस बार हरतालिका तीज(बड़ी तीज) 26 अगस्त 2025 मंगलवार को मनाईं जाएगी। पाठकों को बताता चलूं कि हरतालिका तीज व्रत हिदू धर्म में मनाये जाने वाला एक प्रमुख व्रत है। यह भाद्रपद शुक्ल तृतीया का पावन पर्व है, जो वास्तव में नारी-संकल्प, स्त्री संकल्प, अटूट समर्पण और भक्ति का अद्भुत प्रतीक है। यह व्रत स्त्रियों के आत्मबल और अटूट आस्था को दशार्ता है, जिसमें शिव-पार्वती की आराधना के माध्यम से जीवन में सौभाग्य, समर्पण और सकारात्मक ऊर्जा का आह्वान किया जाता है। इस दिन महिलाएं निर्जला व्रत रखकर पति की लंबी उम्र के लिए कामना करती हैं। कहना गलत नहीं होगा कि पति-पत्नी के संबंधों की पवित्रता और सौहार्द बनाए रखने का यह एक सुंदर उत्सव है, जो आज भी उतने ही उत्साह और श्रद्धा के साथ मनाया जाता है। भाद्रपद की शुक्ल तृतीया को हस्त नक्षत्र में भगवान शिव और माता पार्वती के पूजन का विशेष महत्व है।

हरतालिका तीज व्रत वुमारी और सौभाग्यवती स्त्रियां करती हैं। मान्यता है कि इस व्रत को सबसे पहले माता पार्वती ने भगवान शंकर को पति के

रूप में पाने के लिए किया था। कहते हैं कि इस व्रत करने से महिलाओं को सौभाग्य की प्राप्ति होती है। वैसे तो यह त्योहार पूरे भारत में बड़े ही हषरेल्लास और खुशियों के साथ मनाया जाता है, लेकिन मुख्य रूप से यह बिहार, उत्तर प्रदेश, राजस्थान और मध्य प्रदेश विशेष रूप से उत्तर भारत में मनाया जाता है। नेपाल में इसे तीज महोत्सव के रूप में तीन दिन तक बड़े उत्साह से मनाया जाता है। पाठकों को बताता चलूं कि कर्नाटक, तमिलनाडु और आंध्र प्रदेश में इस व्रत को 'गौरी हब्बा' के नाम से जाना जाता है।

ज्योतिषाचार्यों के अनुसार इस बार हरितालिका तीज पर सर्वार्थ सिद्धि, शोभन, गजकेसरी और पंचमहापुरुष जैसे चार शुभ योग बन रहे हैं। ये योग इस व्रत को और अधिक फलदायी और मंगलकारी बना रहे हैं। वास्तव में, हरतालिका दो शब्दों से मिलकर बना है-'हरत' और 'आलिका।' 'हरत' का मतलब है 'अपहरण' और 'आलिका' यानी 'सहेली। ' यहां पाठकों को बताता चलूं कि, मां पार्वती की सखियों ने उन्हें उनके पिता द्वारा तय विवाह (भगवान विष्णु से) से 'हर' लिया और जंगल में ले गईं, ताकि वे तपस्या कर शिव को पति रूप में प्राप्त कर सवें। इसी कारण इसका नाम हरितालिका तीज पड़ा। पौराणिक कथाओं में विवरण मिलता है कि देवी पार्वती ने भगवान शिव को पति रूप में पाने के लिए 108 जन्मों तक तपस्या की थी और 109वें जन्म में, हरितालिका तीज के दिन उनका विवाह भगवान शिव से हुआ। हरितालिका तीज को नारीसंवेदना का पर्व भी कहा जाता है, क्योंकि इस दिन महिलाएँ अपनी इच्छाओं, दुख-सुख और मन की बातें गीतों और सामूहिक नृत्यों के माध्यम से व्यक्त करती हैं। ग्रामीण क्षेत्रों में महिलाएँ तीज के गीतों में वैवाहिक जीवन की खुशियाँ और पीड़ा दोनों गाती हैं। वास्तव में यह पर्व प्रवृति और श्रृंगार से जुड़ा भारतीय संस्वृति का अनोखा, अद्भुत पर्व है।

साभार-सुनील कुमार महला

इक्षक : जलमार्गो की सुरक्षा का स्वदेशी प्रहरी

'इक्षक' का स्वदेशी निर्माण, उन्नत तकनीकी क्षमताएं, महिला अधिकारियों के लिए विशेष प्रावधान और बहुआयामी उपयोग इसे न केवल भारतीय नौसेना के लिए बल्कि पूरे राष्ट्र के लिए गर्व का विषय बनाते हैं।

आने वाले वर्षो में यह पोत भारतीय नौसेना की समुद्री शत्ति, आत्मनिर्भरता और वैश्विक प्रतिष्ठा को नई ऊंचाइयों तक पहुंचाने में सहायक सिद्ध होगा।

भारतीय नौसेना की बढ़ती सामरिक क्षमताओं और समुद्री प्रभुत्व को सुदृढ़ करने की दिशा में उस समय एक और मील का पत्थर जुड़ गया, जब स्वदेशी तकनीक से निर्मित आधुनिकतम सव्रेक्षण पोत (एसवीएल) 'इक्षक' को आधिकारिक रूप से नौसेना को सौंप दिया गया। 'इक्षक' का अर्थ है 'मार्गदर्शक' और यह नाम अपने आप में प्रतीकात्मक है क्योंकि इस जहाज का मूल उद्देश्य ही समुद्री मार्गो, नौवहन चैनलों तथा गहरे समुद्री क्षेत्रों का सटीक सव्रेक्षण कर मार्गदर्शन उपलब्ध कराना है। यह पोत भारतीय नौसेना के लिए न केवल सामरिक दृष्टि से बल्कि तकनीकी और औद्योगिक आत्मनिर्भरता की दृष्टि से भी एक महत्वपूर्ण उपलब्धि है। भारतीय नौसेना के लिए युद्धपोत डिजाइन ब्यूरो द्वारा तैयार किया गया यह पोत गार्डन रीच शिपबिल्डर्स एंड इंजीनियर्स

(जीआरएसई) कोलकाता में निर्मित हुआ है।

जीआरएसई द्वारा निर्मित यह 802वां जहाज और 113वां युद्धपोत है। इससे पहले इस श्रेणी के दो पोत 'आईएनएस संध्याक'

और 'आईएनएस निर्देशक' क्रमशः दिसंबर 2023 और अक्टूबर 2024 में नौसेना को सौंपे गए थे।

चार पोतों की इस श्रृंखला में 'इक्षक' तीसरा पोत है जबकि चौथा पोत अगले वर्ष तक नौसेना में सम्मिलित होने की संभावना है।

'इक्षक' की नींव 6 अगस्त 2021 को रखी गईं थी और इसे 26 नवंबर 2022 को लांच किया गया था। निर्माण से लेकर डिलीवरी तक इस जहाज में 80 प्रतिशत से अधिक स्वदेशी उपकरणों और सामग्री का उपयोग किया गया है। यह आंकड़ा अपने आप में महत्वपूर्ण है क्योंकि यह दशार्ता है कि भारत अब महत्त्वपूर्ण समुद्री प्लेटफार्मो को विदेशी निर्भरता के बजाय स्वदेशी संसाधनों से निर्मित करने में सक्षम है। रक्षा मंत्रालय के अनुसार, 'इक्षक' की डिलीवरी 'आत्मनिर्भर भारत' अभियान की दिशा में एक ठोस प्रमाण है। इस पोत के निर्माण में बड़ी संख्या में भारतीय उद्योग, एमएसएमई और स्थानीय आपरूतिकताओं ने सक्रिय योगदान दिया, जिससे न केवल रक्षा उत्पादन में स्वदेशीकरण को बल मिला बल्कि देश के औद्योगिक पारिस्थितिकी तंत्र को भी प्रोत्साहन मिला। 'इक्षक' का विस्थापन लगभग 3400 टन है और इसकी वुल लंबाई 110 मीटर है। यह आकार इसे अपनी श्रेणी का सबसे बड़ा सव्रेक्षण पोत बनाता है। यह पोत उन्नत हाइड्रोग्राफिक और समुद्र विज्ञान संबंधी अनुसंधान कार्यो को संपन्न करने के लिए आवश्यक स्थिरता और क्षमता प्रदान करता है। इस पोत का ढ़ांचा आधुनिक एकीवृत निर्माण तकनीक से निर्मित किया गया है, जो मजबूती और टिकाऊपन सुनिति करता है। भारतीय शिपिग रजिस्टर (आईआरएस) के वगाकरण नियमों का पालन करते हुए इसका डिजाइन तैयार किया गया है।

RNI No. GUJGUJ/2011/39228 Published & Owned by AJAYKUMAR RAMANLAL PRAJAPATI and Printed By (1) JIGNESH RASHIKBHAI GAJJAR at Vansh Corporation, A/8, Shayona Golden Estate, Shahibag, Ahmedabad - 380 004, Ahmedabad,Gujarat-380 004. (2) DESAI RAHUL MAHESHBHAI at Bhavani Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002 (3) HARDIK MAHESHBHAI DESAI at Bhoomi Offset,Bhatiya Ni Wadi, Opp Railway Station, Kalupur, Ahmedabad,-380002,Ahmedabad,Gujarat-380 002. and Published from TF-01, Nanakram Super Market, Ramnagar, Sabarmati, Ahmedabad - 380 005. Editor : MANOJKUMAR CHAMPKLAL SHAH

माननीय प्रधानमंत्री द्वारा गुजरात में ₹1,400 करोड़ से अधिक मूल्य की रेल परियोजनाएँ राष्ट्र को लोकार्पित

माननीय प्रधानमंत्री ने महेसाणा-पालनपुर दोहरीकरण तथा कलोल-कडी-कटोसन रोड और बेचराजी-रणुंज रेल लाइनों गेज परिवर्तन का लोकार्पण किया

माननीय प्रधानमंत्री ने कडी स्टेशन से कटोसन रोडइसाबरमती मेमू ट्रेन की उद्घाटन सेवा तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई

माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी ने सोमवार, 25 अगस्त, 2025 को अपने गुजरात दौरे के दौरान ₹1,400 करोड़ से अधिक की रेल परियोजनाओं की एक श्रृंखला राष्ट्र को लोकार्पित की। इनमें महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण, कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन तथा बेचराजीइरणुंज रेल लाइन के साथ-साथ कटोसन रोड और साबरमती के बीच नई यात्री ट्रेन और रणुंज मार्ग से होते हुए बेचराजी स्टेशन से उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाना शामिल है। मुख्य समारोह अहमदाबाद में आयोजित किया गया और इस कार्यक्रम में गुजरात के माननीय राज्यपाल श्री आचार्य देवव्रत, गुजरात के माननीय मुख्यमंत्री श्री भूपेंद्रभाई पटेल, माननीय केंद्रीय जल शक्ति मंत्री श्री सी.आर. पाटिल और अन्य गणमान्य व्यक्ति उपस्थित थे। साथ ही, कडी रेलवे स्टेशन और बेचराजी में स्थानीय समारोह आयोजित किए गए, जिनमें संबंधित सांसद, विधायक, स्थानीय प्रतिनिधि आदि उपस्थित रहे। इन परियोजनाओं से विशेष रूप से उत्तरी गुजरात के महेसाणा, पाटन, बनासकांठा, गांधीनगर और अहमदाबाद जिलों को लाभ होगा। इनसे क्षेत्रीय संपर्क में वृद्धि, औद्योगिक विकास को बढ़ावा, लॉजिस्टिक्स दक्षता में सुधार और रोजगार के नए अवसर पैदा होने की उम्मीद है।

माननीय प्रधानमंत्री ने कडी स्टेशन से कटोसन रोड-साबरमती मेमू ट्रेन की उद्घाटन सेवा तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाई

प्रथम फोटो में माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी 25 अगस्त, 2025 को अहमदाबाद में आयोजित समारोह में सभा को संबोधित करते हुए। द्वितीय फोटो में माननीय प्रधानमंत्री कडी रेलवे स्टेशन से कटोसन रोडइसाबरमती मेमू ट्रेन तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को हरी झंडी दिखाते हुए।

65 किलोमीटर लंबी महेसाणा-पालनपुर रेल लाइन का दोहरीकरण ₹537 करोड़ की लागत से पूरा किया गया है, जबकि 37 किलोमीटर लंबी कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन को ₹347 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। इसी प्रकार, 40 किलोमीटर लंबी बेचराजी-रणुंज रेल लाइन को भी ₹520 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। इन परियोजनाओं के पूरा होने से विशेष रूप से महेसाणा, बनासकांठा और पाटन जिलों के लिए सुगम, सुरक्षित और अधिक निर्बाध संपर्क सुनिश्चित हुआ है। इनसे दैनिक यात्रियों, पर्यटकों और व्यवसायों के लिए यात्रा काफी आसान हो गई है, साथ ही क्षेत्रीय आर्थिक एकीकरण को भी बढ़ावा मिला है।

रेल लाइन के दोहरीकरण से लाइन क्षमता में वृद्धि हुई है, जिससे अहमदाबाद-दिल्ली कॉरिडोर पर तेज गति वाली ट्रेनें चलाना संभव हो गया है। इस परियोजना के पूरा होने से ट्रैफिक कंजेशन में कमी तथा क्रॉसिंग के कारण अनावश्यक यात्री ट्रेनों के रुकने की समस्या कम हुई है, जिससे ट्रेनों की समयपालनता सुनिश्चित हुई है। इस विकास से अधिक यात्री सेवाओं की शुरुआत के साथ-साथ माल ढुलाई की दक्षता में भी सुधार हुआ है, जिससे गुजरात की आर्थिक गतिविधियों को नई गति मिली है।

37 किलोमीटर लंबी कलोल-कडी-कटोसन रोड रेल लाइन को ₹347 करोड़ की लागत से ब्रॉड गेज में परिवर्तित किया गया है। इस परियोजना ने क्षेत्र में यात्री और माल ढुलाई संपर्क को महत्वपूर्ण बढ़ावा दिया है। इस गेज परिवर्तन ने राष्ट्रीय ब्रॉड-गेज रेल नेटवर्क के साथ निर्बाध एकीकरण सुनिश्चित किया है, जिससे माल और लोगों की तेज और अधिक कुशल आवाजाही संभव हुई है। यह परियोजना विशेष रूप से स्थानीय यात्रियों, कडी और कलोल के आसपास के छोटे व्यवसायों और उद्योगों के लिए लाभदायक है, जो गुजरात के महत्वपूर्ण औद्योगिक और कृषि केंद्र हैं। यह यात्रा के समय को भी कम करता है, अहमदाबाद और गांधीनगर तक पहुँच बेहतर बनाता है और आसपास के क्षेत्रों में आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देता है।

बेचराजी-रणुंज रेल लाइन का गेज परिवर्तन राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स नीति और मल्टीमॉडल कनेक्टिविटी के लिए प्रधानमंत्री गति शक्ति राष्ट्रीय मास्टर प्लान के अनुरूप किया गया है। यह पहल लॉजिस्टिक्स लागत को कम करती है और राष्ट्रीय लॉजिस्टिक्स प्रदर्शन सूचकांक में गुजरात की स्थिति को और मजबूत करती है, जिससे उत्तर गुजरात के सामाजिक-आर्थिक प्रगति में तेजी आती है और साथ ही भारत के लॉजिस्टिक्स और रेलवे क्षेत्रों में एक मानक स्थापित होता है।

इस अवसर पर माननीय प्रधानमंत्री ने कडी रेलवे स्टेशन से कटोसन रोडइसाबरमती मेमू ट्रेन की उद्घाटन सेवा तथा बेचराजी स्टेशन से रणुंज मार्ग होते हुए उत्तर भारत के लिए पहली समर्पित ऑटोमोबाइल मालगाड़ी को भी हरी झंडी दिखाकर रवाना किया। यह नई यात्री सेवा धार्मिक स्थलों तक बेहतर पहुँच प्रदान करती है, क्षेत्र के दैनिक यात्रियों को लाभान्वित करती है और जमीनी स्तर पर आर्थिक गतिविधियों को बढ़ावा देती है। यह फ्रेट सेवा राज्य के औद्योगिक केंद्रों से संपर्क बढ़ाएगी, लॉजिस्टिक्स नेटवर्क को मजबूत करेगी और रोजगार के अवसर पैदा करेगी।

ये सतत और पर्यावरण-अनुकूल परिवहन पहल यात्रा के समय को कम करेंगी, नए निवेश आकर्षित करेंगी और क्षेत्रीय औद्योगिक विकास को बढ़ावा देंगी। ये सभी रेल परियोजनाएँ, विकसित गुजरात के माध्यम से विकसित भारत के निर्माण की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम हैं।

एमएलए भूपेंद्र सिंह के भतीजे के फार्महाउस से लाखों की अवैध शराब जब्त, आनन-फानन में खत्म किए रिश्ते

(एजेंसी)।

मध्य प्रदेश के सागर जिले में आबकारी विभाग की एक बड़ी कार्रवाई ने सियासी हलकों में हड़कंप मचा दिया है। भारतीय जनता पार्टी (BJP) के वरिष्ठ नेता, पूर्व गृहमंत्री और सागर से विधायक भूपेंद्र सिंह के सगे भतीजे रुद्र प्रताप सिंह के फार्महाउस से 24 अगस्त 2025 को 11.79 लाख रुपये की अवैध शराब बरामद की गई।

इस कार्रवाई के बाद बहरिया थाने में रुद्र प्रताप के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(2) के तहत FIR दर्ज की गई। जैसे ही यह खबर सामने आई, भूपेंद्र सिंह ने अपने वकील के माध्यम से एक सार्वजनिक बयान जारी कर रुद्र प्रताप से सभी संबंध खत्म करने की घोषणा की।

बहरिया में आबकारी विभाग की छापेमारी

24 अगस्त 2025 की शाम को सागर जिले के बहरिया थाना क्षेत्र में आबकारी विभाग और पुलिस की संयुक्त टीम ने गुप्त सूचना के आधार पर रुद्र प्रताप सिंह के फार्महाउस पर छापेमारी की। रुद्र प्रताप, BJP के वरिष्ठ नेता और पूर्व गृहमंत्री भूपेंद्र सिंह के बड़े भाई स्वर्गीय महेश सिंह के बेटे हैं। यह फार्महाउस बहरिया के बामोरा क्षेत्र में स्थित है, जहां पशुओं के लिए चारा रखने वाले एक कमरे में भारी मात्रा में अवैध शराब छिपाई गई थी।

छापेमारी के दौरान पुलिस को अंग्रेजी और देसी शराब का बड़ा जखीरा मिला, जिसकी अनुमानित कीमत 11,79,374 रुपये आंकी गई। आबकारी विभाग के अधिकारियों ने बताया कि यह शराब अवैध रूप से संग्रहित की गई थी और इसे बेचने की योजना थी। इस मामले में रुद्र प्रताप सिंह के खिलाफ मध्य प्रदेश आबकारी अधिनियम, 1915 की धारा 34(2) के तहत FIR दर्ज की गई।

जैसे ही यह खबर सामने आई, भूपेंद्र सिंह ने तत्काल कदम उठाते हुए अपने वकील के माध्यम से एक सार्वजनिक बयान जारी किया। इसमें उन्होंने कहा, "मेरे परिवार में मेरी पत्नी, तीन बेटियां, और एक बेटा शामिल है। इसके अलावा मेरा किसी से कोई संबंध नहीं है। रुद्र प्रताप के धंधे से मेरा कोई लेना-देना नहीं है।"

बुलंदशहर : ट्रक दुर्घटना में 11 लोगों की मौत और 40 तीर्थयात्री घायल

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के बुलंदशहर जिले में एक दुखद घटना में, एक ट्रक और एक ट्रैक्टर-ट्रॉली की टक्कर के परिणामस्वरूप दो नाबालिगों सहित 11 लोगों की मौत हो गई और 40 अन्य घायल हो गए। पुलिस रिपोर्ट के अनुसार, यह दुर्घटना सोमवार तड़के हुई जब ट्रक ने ट्रैक्टर-ट्रॉली को पीछे से टक्कर मार दी, जिससे वह पलट गई।

बुलंदशहर में दर्दनाक ट्रक हादसा

यह दुर्घटना बुलंदशहर-अलीगढ़ सीमा पर अर्निया बाईपास के पास सुबह करीब 2:10 बजे हुई। ट्रैक्टर-ट्रॉली 61 तीर्थयात्रियों को कासगंज जिले के रफतपुर गांव से राजस्थान के जहरपीर ले जा रही थी। वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक दिनेश कुमार सिंह ने पुष्टि की कि 11 लोगों की जान चली गई, जबकि 10 यात्रियों को मामूली चोटें आईं।

प्रतिक्रिया और राहत उपाय

मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने संवेदना व्यक्त की और अधिकारियों को घायलों के लिए इष्टतम चिकित्सा देखभाल प्रदान करने का निर्देश दिया। मृतकों के परिवारों के लिए 2 लाख रुपये की अनुग्रह राशि की घोषणा की गई है, जबकि प्रत्येक घायल व्यक्ति के लिए 50,000 रुपये आवंटित किए गए हैं। पीड़ितों को उपचार के लिए विभिन्न अस्पतालों में ले जाया गया, जिनमें अलीगढ़ मेडिकल कॉलेज, बुलंदशहर जिला अस्पताल और खुर्जा में कैलाश अस्पताल शामिल हैं।

पीड़ित और अस्पताल में भर्ती

जिन लोगों की चोटों के कारण मृत्यु हो गई, उनमें लेखराज (40), उमाशंकर (60) और रामचरण (30) शामिल थे। अन्य मृतकों में ट्रैक्टर चालक ई यू बाबू (40), रामबेटी (65), चांदनी (12), घनाराम (40), मोक्षी (40), शिवंश (6), योगेश (50), और विनोद (45) शामिल थे, ये सभी कासगंज जिले के निवासी थे। तीन व्यक्ति अभी भी वेंटिलेटर सपोर्ट पर हैं।

आधिकारिक कार्रवाई और बयान

हादसे में शामिल हरियाणा में पंजीकृत ट्रक को जब्त कर लिया गया है और कानूनी कार्यवाही शुरू हो गई है। दोपहर तक, प्राथमिक उपचार के बाद 18 घायलों को छुट्टी दे दी गई। जिलाधिकारी श्रुति और एसएसपी सिंह ने दुर्घटना स्थल का दौरा किया और अस्पताल में मरीजों से बातचीत की।

पृष्ठभूमि और सुरक्षा चिंताएं

उत्तर प्रदेश में यात्री परिवहन के लिए ट्रैक्टर-ट्रॉली का उपयोग आधिकारिक तौर पर प्रतिबंधित है। इस प्रतिबंध के बावजूद, अधिक यात्रियों को समायोजित करने के लिए संशोधन आम हैं। फरवरी 2024 में, कासगंज जिले में एक ट्रैक्टर-ट्रॉली के पानी में पलटने से एक समान घटना में 23 लोगों की जान चली गई थी।

शिरोमणि अकाली दल ने अमेरिकी सरकार से आरोपों का सामना कर रहे भारतीय ट्रक चालक के प्रति दया दिखाने का आग्रह किया

(एजेंसी)।

शिरोमणि अकाली दल (SAD) ने संयुक्त राज्य अमेरिका की सरकार से अपील की है कि भारतीय मूल के ट्रक ड्राइवर हरजिंदर सिंह के मामले में मानवीय दृष्टिकोण पर विचार करे, जिस पर वाहन हत्या का आरोप लगाया गया है। पार्टी ने भारत सरकार से भी सिंह को कानूनी उपचार तक पहुँच सुनिश्चित करने के लिए कांसुलर और कानूनी सहायता प्रदान करने का आह्वान किया है।

अकाली दल ने ट्रक चालक के प्रति सहानुभूति की अपील की

यह प्रस्ताव शिरोमणि अकाली दल के अध्यक्ष सुखबीर सिंह बादल की अध्यक्षता में हुई एक बैठक के दौरान पारित किया गया, जिसमें पंजाब के छह जिलों के वरिष्ठ नेता शामिल हुए। हरजिंदर सिंह, जो पंजाब के तरनतारन जिले के 28 वर्षीय हैं, पर फ्लोरिडा में एक दुर्घटना करने का आरोप है, जिसके परिणामस्वरूप तीन लोगों की मौत हो गई। इस घटना के बाद, सिंह कैलिफोर्निया भाग गए, लेकिन बाद में उन्हें पकड़ लिया गया और फ्लोरिडा वापस लाया गया।

समुदाय की चिंताएँ

SAD अध्यक्ष बादल ने सिंह को पंजाबी और सिख प्रवासी समुदाय का एक मेहनती सदस्य बताया जो निष्पक्ष सुनवाई का हकदार है। उन्होंने इस बात पर चिंता व्यक्त की कि सिंह को अदालत में बिना पगड़ी के पेश किया गया, जो सिखों के लिए विश्वास का एक पवित्र प्रतीक है। इस कृत्य से वैश्विक सिख समुदाय में कथित तौर पर दुख हुआ है।

समर्थन की अपील

प्रस्ताव में दुर्घटना से प्रभावित परिवारों के प्रति संवेदना व्यक्त की गई और अमेरिकी सरकार से सिंह की पृष्ठभूमि और पंजाबी समुदाय के योगदान पर विचार करने का आग्रह किया गया। इसमें भारत के विदेश मंत्रालय से यह भी आह्वान किया गया कि वह भारतीय राजनयिक चैनलों के माध्यम से सभी कानूनी बचाव विकल्पों को सुनिश्चित करे।

प्रवासियों का समर्थन

SAD ने सिंह के लिए नैतिक, वित्तीय और कानूनी समर्थन के लिए उत्तरी अमेरिका में सिख और पंजाबी प्रवासी संगठनों से अपील की। पार्टी ने भारतीय और अमेरिकी दोनों अर्थव्यवस्थाओं में पंजाबी और सिख ट्रक चालकों के महत्वपूर्ण योगदान को स्वीकार किया, वैश्विक पंजाबी समुदाय के लिए न्याय और मानवीय सहायता के लिए अपनी प्रतिबद्धता की पुष्टि की।

132 नई अतिरिक्त मुंबई लोकल ट्रेनों के सपोर्ट के लिए उठाया गया ये कदम, जानिए डिटेल

(एजेंसी)।

मुंबई की लोकल ट्रेन सिस्टम में एक बड़ा सुधार करते हुए, सेंट्रल रेलवे (CR) अपनी मुंबई डिवीजन में 92 नई 'स्टेब्लिंग लाइन्स' (ठहराव लाइनें) का निर्माण कर रहा है। इसका उद्देश्य मुंबई अर्बन ट्रांसपोर्ट प्रोजेक्ट्स (MUTP) 3 और 3अ के तहत ट्रेनों की बढ़ी हुई संख्या को समायोजित करना है।

सेट्रल रेलवे टवळढ के इन दो चरणों के तहत 138 नए उपनगरीय ट्रेन रेक शामिल करने की तैयारी कर रहा है। इनमें से 123 रेक 12-डिब्बे वाले और 15 रेक 15-डिब्बे वाले होंगे। वर्तमान में, उफ के पास 166 उपनगरीय रेक हैं, जिनके लिए 162 ठहराव लाइनें उपलब्ध हैं। रोलिंग स्टॉक में इस तीव्र वृद्धि ने ठहराव और रखरखाव क्षमता में वृद्धि को आवश्यक बना दिया है।

इन 92 नई ठहराव लाइनों में से 16 का निर्माण मुंबई रेल विकास निगम (MRVC) द्वारा टवळढ 3 के तहत किया जा रहा है, जबकि अन्य 16 MUTP 3अ के तहत बन रही हैं। शेष 60 लाइनों का निर्माण उफ का अपना निर्माण विंग कर रहा है।

ये लाइनें रेलवे कॉरिडोर के साथ तैयार होंगी

एक वरिष्ठ टफ्श्उ अधिकारी ने बताया, "इन 'स्टेब्लिंग लाइन्स को बड़े बुनियादी ढांचा परियोजनाओं के समन्वय में चालू किया जा रहा है। उदाहरण के लिए, कर्जत और मोहपे में नई लाइनें वहां विकसित किए जा रहे संबंधित रेलवे कॉरिडोर के साथ तैयार होंगी।"

स्टेब्लिंग लाइनें क्यों है बहुत जरूरी?

स्टेब्लिंग लाइनें गैर-परिचालन घंटों के दौरान रेक पार्क करने और नियमित निरीक्षण करने के लिए महत्वपूर्ण बुनियादी ढांचे के रूप में काम करती हैं। वर्तमान में, उफ के उपनगरीय बेड़े का लगभग 12.5% निर्धारित रखरखाव के लिए कार शेड में भेजा जाता है। शेष या तो मौजूदा ठहराव लाइनों पर रखे जाते हैं, या जगह की कमी के कारण अस्थायी रूप से प्लेटफार्मों पर खड़े किए जाते हैं, जिससे परिचालन दक्षता प्रभावित होती है।

नई स्टेब्लिंग लाइनों से क्या होगा लाभ?

नई स्टेब्लिंग लाइनों के जुड़ने से प्लेटफार्मों पर भीड़ कम होने, देरी में कमी आने और रेकों के त्वरित बदलाव की उम्मीद है। इससे भी महत्वपूर्ण बात यह है कि यह प्रतिदिन 40 लाख से अधिक यात्रियों को सेवा देने वाले नेटवर्क में सेवा आवृत्ति और विमुंबई की उपनगरीय रेल रीढ़ को मजबूत करेगा

अधिकारी ने आगे कहा, "यह बुनियादी ढाँचा उन्नयन केवल पार्किंग स्थान के बारे में नहीं है। यह अधिक सेवाओं के लिए क्षमता को अनलॉक करने, डाउनटाइम को कम करने और अंततः यात्रियों को अधिक विश्वसनीय लोकल ट्रेनों अनुभव प्रदान करने के बारे में है।"

अधिकारी ने कहा, "एक बार पूरी तरह से चालू होने के बाद, विस्तारित नई स्टेब्लिंग लाइनें बुनियादी ढांचा उफ के चल रहे आधुनिकीकरण प्रयासों में एक महत्वपूर्ण मील का पत्थर साबित होगा, जो मुंबई की उपनगरीय रेल रीढ़ को मजबूत करेगा और दुनिया की सबसे व्यस्त शहरी परिवहन प्रणालियों में से एक को बहुत आवश्यक राहत प्रदान करेगा।"

पश्चिम रेलवे मुंबई सेन्ट्रल और भावनगर टर्मिनस के बीच चलाएगी स्पेशल ट्रेन

मुंबई, पश्चिम रेलवे द्वारा यात्रियों की सुविधा तथा त्योहारी सीजन के दौरान उनकी यात्रा मांग को पूरा करने के उद्देश्य सेमुंबई सेन्ट्रल और भावनगर टर्मिनस के बीच विशेष किराए पर एक स्पूेशल ट्रेन चलाई जाएगी।

पश्चिम रेलवे के मुख्य जनसंपर्क अधिकारीश्री विनीत अभिषेक द्वारा जारी एक प्रेस विज्ञप्ति के अनुसार, इस ट्रेन का विवरण इस प्रकार हैः

ट्रेन संख्या 09087/09088मुंबई सेन्ट्रलझ्र भावनगरटर्मिनस स्पेशल [2फेरे]

ट्रेन संख्या 09087मुंबई सेन्ट्रल - भावनगर टर्मिनसस्पेशल बुधवार, 27 अगस्त, 2025 को मुंबई सेन्ट्रलसे 12:00 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 05:45 बजे भावनगरटर्मिनस पहुँचेगी। इसी प्रकार, ट्रेन संख्या 09088 भावनगरटर्मिनस-मुंबई सेन्ट्रल स्पेशल गुरूवार, 28 अगस्त, 2025 को भावनगरटर्मिनस से 17:45 बजे प्रस्थान करेगी और अगले दिन 07:30 बजे मुंबई सेन्ट्रलपहुँचेगी।

यह ट्रेन दोनों दिशाओं में बोरीवली, पालघर, वापी, वलसाड, सूरत, वडोदरा, आणंद जं.,अहमदाबाद, विरमगाम, बोटाद, धोला, सोनगढ़औरसिहोर (गुजरात)स्टेशनों पर रुकेगी।

इस ट्रेन में एसी 2 टियर, एसी-3 टियर,स्लीपर क्लास और द्वितीय श्रेणी के सामान्य डिब्बे होंगे।

ट्रेन संख्या09087एवं 09088 की बुकिंग 25अगस्त, 2025को 15:00 बजेसेपीआरएस काउंटरों और आईआरसीटीसी वेबसाइट पर शुरू होगी। ट्रेनों के ठहराव, समय और संरचना के बारे में विस्तृत जानकारी के लिएयात्री कृपया www. enquiry. indianrail. gov.in पर जाकर अवलोकन कर सकते हैं।

रेलवे सुरक्षा बल, नडियाद की सतर्कता से मोबाइल चोर गिरफ्तार

दिनांक 22.08.2025 को गुजरात एक्सप्रेस (गाड़ी संख्या 22953) के नडियाद रेलवे स्टेशन आगमन पर एक यात्री द्वारा मोबाइल चोरी होने की सूचना दी गई। ओनड्युटी महिला कान्स्टेबल मोना रोज द्वारा तुरंत कार्यवाही करते हुए ट्रेन में चेक कर संदिग्ध व्यक्ति को पकड़ा गया। उसके कब्जे से एक मोबाईल जिसकी किमत अंदाजन 24000/- मिला। पूछताछ करने पर उसने यह मोबाइल यात्री से चोरी करना स्वीकार किया। बाद मोबाईल को बरामद कर मोबाइल पीड़ित यात्री को उसकी पहचान करने हेतु दिखाया गया, जिसनेमोबाईलअपना होना बताया।

उक्त पकड़े गए व्यक्ति तथा बरामद मोबाइल को अग्रिम कार्यवाही हेतु जीआरपी नडियाद को सुपुर्द किया गया। इस संबंध में जीआरपी नडियाद में प्रकरण दर्ज कर अग्रिम कार्यवाही किया।

आईसीसी रिट्रीट में जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर की आर्थिक विकास संभावनाओं पर प्रकाश डाला

(एजेंसी)।

केंद्रीय मंत्री जितेंद्र सिंह ने हाल ही में जम्मू और कश्मीर की भारत की आर्थिक वृद्धि में एक महत्वपूर्ण योगदानकर्ता बनने की क्षमता पर प्रकाश डाला। आईसीसी शताब्दी रिट्रीट में बोलते हुए, सिंह ने भारतीय वाणिज्य मंडल (आईसीसी) से केंद्र शासित प्रदेश में निजी क्षेत्र की भागीदारी को प्रोत्साहित करने का आग्रह किया। उन्होंने इस बात पर जोर दिया कि क्षेत्र के आर्थिक विकास के लिए निजी क्षेत्र और सरकार के बीच सहयोग महत्वपूर्ण है।

जितेंद्र सिंह ने जम्मू-कश्मीर की विकास संभावनाओं पर चर्चा की

सिंह ने कहा कि मोदी सरकार ने सार्वजनिक और निजी क्षेत्रों के बीच लंबे समय से चली आ रही बाधाओं को दूर कर दिया है, जिससे उद्योग की भागीदारी के अवसर खुल गए हैं। उन्होंने कहा, "सरकार बहुत आगे बढ़ गई है," उन्होंने परमाणु क्षेत्र का उदाहरण देते हुए बताया कि वहां निजी उद्योग शुरू में बदलाव के लिए तैयार नहीं था। उन्होंने उद्योगों से इस नए माहौल में नेतृत्व लेने का आग्रह किया।

सार्वजनिक-निजी भागीदारी और स्थानीय नवाचार

मंत्री ने लैवेंडर की खेती के "बैंगनी क्रांति" का हवाला देते हुए एक सफल सार्वजनिक-निजी भागीदारी मॉडल बताया। उन्होंने उन्नत सेब की खेती तकनीकों को अपनाने वाले स्थानीय स्वयं सहायता समूहों, जिनमें महिलाओं के नेतृत्व वाले समूह भी शामिल हैं, का भी उल्लेख किया। इन पहलों के परिणामस्वरूप उपज में वृद्धि हुई है और उत्पादों की शेल्फ लाइफ लंबी हो गई है, जिससे यह प्रदर्शित होता है कि प्रारंभिक उद्योग संपर्क कैसे आजीविका में सुधार कर सकता है।

सिंह ने आईसीसी से उद्यमियों को सरकारी एजेंसियों और निजी खिलाड़ियों के साथ बड़े पैमाने पर जोड़ने का आग्रह किया। उन्होंने भारत के स्टार्टअप बूम पर भी प्रकाश डाला, जिसमें लगभग 1.7 लाख उद्यम पंजीकृत हैं, जिनमें से 60% से अधिक टियर-2 और टियर-3 शहरों से हैं। उन्होंने तर्क दिया कि श्रीनगर जैसे शहर इस प्रवृत्ति से लाभान्वित होने के लिए अच्छी तरह से तैयार हैं।

नीतिगत बदलाव और आर्थिक अवसर

सिंह ने बताया कि अंतरिक्ष और जैव प्रौद्योगिकी जैसे एक समय सार्वजनिक क्षेत्र के लिए विशेषीकृत क्षेत्र अब निजी निवेश के लिए खुले हैं। सहयोग के लिए पहले से ही रूपरेखा मौजूद हैं, और उन्हें उम्मीद है कि भारत की अगली आर्थिक लहर जैव प्रौद्योगिकी-संचालित होगी। जम्मू और कश्मीर को इस परिवर्तन में अपना स्थान खोजना होगा।

श्रीनगर में आईसीसी रिट्रीट को समयबद्ध और प्रतीकात्मक दोनों ही बताया गया, जो एक स्पष्ट संदेश दे रहा है कि जम्मू और कश्मीर भारत की मुख्यधारा की आर्थिक वृद्धि में एकीकृत होने के लिए तैयार है। सिंह ने क्षेत्र में उद्योग की भागीदारी के लिए एक स्पष्ट योजना और समय-सीमा की आवश्यकता पर जोर दिया।

स्टार्टअप और नवाचार का समर्थन

एक अन्य कार्यक्रम में, सिंह ने अवंतीपोरा में इस्लामिक यूनिवर्सिटी ऑफ साइंस एंड टेक्नोलॉजी (आईयूएसटी) में डीएसटी इंक्लूसिव टेक्नोलॉजी बिजनेस इनक्यूबेटर (आई-टीबीआई) और आईफैक्ट्री लैब का उद्घाटन किया। उन्होंने घाटी के महत्वाकांक्षी उद्यमियों की सहायता के लिए विज्ञान और प्रौद्योगिकी विभाग (डीएसटी) से 5 करोड़ रुपये के सहायता पैकेज की घोषणा की।

विवादित बयानों पर वाराणसी और संभल की अदालत में अगली सुनवाई कब? जानें नई तिथियां

(एजेंसी)।

कांग्रेस सांसद राहुल गांधी के बयानों को लेकर कानूनी मोर्चा गमार्ता जा रहा है। वाराणसी और संभल की अदालतों में अलग-अलग याचिकाओं पर सुनवाई हुई। दोनों जगह अदालतों ने नए दिन तय करते हुए आगे की प्रक्रिया स्थगित कर दी।

सोमवार को वाराणसी के एमपी/एमएलए कोर्ट ने सुनवाई करते हुए मामले की अगली तारीख चार सितंबर घोषित की। यह मामला राहुल गांधी के अमेरिका दौरे से जुड़ा है, जहां उन्होंने सिख समुदाय के संदर्भ में एक टिप्पणी की थी।

याचिकाकर्ता नागेश्वर मिश्रा का कहना है कि बयान से उनकी भावनाएं आहत हुईं। उन्होंने पहले न्यायिक मजिस्ट्रेट की अदालत में वाद दायर किया था जिसे खारिज कर दिया गया। इसके बाद उन्होंने सत्र न्यायालय में निगरानी याचिका दाखिल की थी।

वाराणसी मामले में अधिवक्ताओं की दलील

सुनवाई के दौरान राहुल गांधी की ओर से अधिवक्ता अनुज यादव पेश हुए। उन्होंने अदालत में आपत्ति पत्र दाखिल किया। कोर्ट ने पत्र को रिकॉर्ड में लेते हुए कहा कि चार सितंबर को बचाव पक्ष को अपना जवाब प्रस्तुत करना होगा।

अधिवक्ता विवेक शंकर तिवारी ने बताया कि इस मामले में अदालत ने पूर्व की सुनवाई में याचिका स्वीकार कर ली थी। अब आगे की प्रक्रिया में यह देखा जाएगा कि आरोपों पर राहुल गांधी की ओर से क्या स्पष्टीकरण दिया जाता है।

संभल की अदालत में अलग विवाद

इधर, संभल की एक अदालत में राहुल गांधी के एक अन्य बयान पर सुनवाई हुई। अदालत ने कहा कि निचली अदालत से रिकॉर्ड अभी उपलब्ध नहीं हो सका है। इसलिए इस मामले की अगली सुनवाई की तारीख 26 सितंबर तय की गई है।

जेलेंस्की ने पीएम मोदी को इस बात के लिए कहा धन्यवाद, शांति के लिए भारत से जताई उम्मीद

कीव (एजेंसी)। यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को स्वतंत्रता दिवस की शुभकामनाओं के लिए धन्यवाद दिया। साथ ही वैश्विक शांति प्रयासों में भारत की भूमिका की सराहना की। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद के लिए जो समर्थन देता है, वह सराहनीय है। इस दौरान उन्होंने एक पीएम नरेंद्र मोदी का पत्र भी साझा किया।

रूस और यूक्रेन के बीच तीन साल से ज्यादा समय से चल रहा संघर्ष दिन-प्रतिदिन और घातक होता जा रहा है। हालांकि अमेरिका समेत दुनियाभर के कई देश इस संघर्ष को रोकने के लिए लगातार प्रयास कर रहे हैं। इसी सिलसिले में यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमिर जेलेंस्की ने मंगलवार को भारत के प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद कहा। उन्होंने कहा कि भारत शांति और संवाद के लिए जो समर्थन देता है, वह सराहनीय है।

शांति के लिए भारत से जताई उम्मीद

पीएम नरेंद्र मोदी को दिए संदेश में जेलेंस्की ने कहा कि आज जब दुनिया इस भयानक युद्ध को सम्मानजनक और स्थायी शांति के साथ समाप्त करने की कोशिश कर रही है, हम भारत के योगदान की उम्मीद करते हैं। हर वह निर्णय जो कूटनीति को मजबूत करता है न सिर्फ यूरोप बल्कि इंडो-पैसिफिक क्षेत्र और उससे भी आगे की सुरक्षा को बेहतर बनाता है।

जेलेंस्की ने साझा किया पीएम मोदी का पत्र

इसके साथ ही यूक्रेन के राष्ट्रपति जेलेंस्की ने पीएम मोदी द्वारा भेजा गया पत्र भी साझा किया, जिसमें पीएम मोदी ने उन्हें भारत के स्वतंत्रता दिवस पर शुभकामनाएं देने के लिए धन्यवाद दिया और यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर वहां की जनता को शुभकामनाएं दीं।

पीएम मोदी ने पत्र में क्या लिखा था

यूक्रेन के स्वतंत्रता दिवस पर पीएम मोदी ने यूक्रेनी राष्ट्रपति जेलेंस्की एक पत्र भेजकर शुभकामनाएं दी थी। पीएम मोदी ने अपने पत्र में लिखा कि मैं आपको और यूक्रेन की जनता को आपके स्वतंत्रता दिवस के अवसर पर हार्दिक शुभकामनाएं देता हूं। मुझे अगस्त में कीव की अपनी यात्रा की गर्मजोशी से याद है और मुझे खुशी है कि भारत-यूक्रेन संबंधों में तब से प्रगति हुई है।

इसके साथ ही पीएम मोदी ने यह भी दोहराया कि भारत हमेशा शांति के

बांग्लादेश में 75% बढ़े रेप केस, 87% नाबालिग बनीं शिकार, 49 की उम्र सिर्फ 0-6 के बीच

(एजेंसी)।

बांग्लादेश अल्पसंख्यक मानवाधिकार कांग्रेस ने 22 अगस्त, 2025 को बांग्लादेश में यौन हिंसा की बढ़ती लहर पर चिंता जताई है। यह विशेष रूप से हिंदू, ईसाई, बौद्ध और अन्य अल्पसंख्यक समुदायों की महिलाओं और बच्चों को निशाना बना रही है। इस मानवाधिकार संस्था के अनुसार, मुहम्मद यूनुस के नेतृत्व वाली अंतरिम सरकार के दौरान हिंसा महामारी का रूप ले चुकी है।

87 फीसदी नाबालिगों को बनाया शिकार

लफ्फ्इट ने बताया कि 2025 की पहली तिमाही में, यानी तीन महीने से भी कम समय में, बलात्कार के 342 मामले आधिकारिक तौर पर दर्ज किए गए। इनमें से 87 प्रतिशत पीड़ित 18 साल से कम उम्र की लड़कियां थीं। संस्था का मानना है कि ये आंकड़े केवल एक छोटा सा हिस्सा हैं, और वास्तविक संख्या हजारों में हो सकती है, जो चुप्पी, डर और सरकारी रवैये के चलते सामने नहीं आती।

49 बच्चियों की उम्र 0-6 साल के बीच

दर्ज किए गए कुल मामलों में 49 मामले ऐसे हैं जिनमें रेप पीड़िताओं की उम्र 0-6 साल के बीच है। 94 केस में बच्चियों की उम्र 7 से 12 साल है। जबकि 103 केस ऐसे हैं जिनमें बच्चियों की उम्र 13-18 साल है। इसके अलावा 60 मामलों में उम्र का खुलासा नहीं हो सका। इन बच्चियों में 7 ऐसी बच्चियां भी शामिल हैं जो शारीरिक या मानसिक रूप से विकलांग हैं। बच्चियों से रेप के मामले में 2024 की तुलना में 75 प्रतिशत ज्यादा हैं।

ज्यादातर मामले नहीं होते दर्ज

बांग्लादेश में जिस तरह की राजनीतिक अस्थिरता है, वह भी एक कारण है कि ज्यादातर मामले या तो पुलिस स्टेशन तक नहीं पहुंचते या पहुंचते भी हैं तो उन्हें बेइज्जत कर लौटा दिया जाता है। साथ ही कई मामलों में न तो पीड़िता का पता चलता है और न ही गुनाहगार का। इसलिए माना जा रहा है कि बहुत कम ही मामले हैं जो इन दिनों बांग्लादेश में दर्ज हो रहे हैं।

तत्काल जांच की मांग

इस गंभीर स्थिति को देखते हुए, लफ्फ्इट ने बांग्लादेश के सर्वोच्च न्यायालय के उच्च न्यायालय में एक जनहित याचिका (PIL) दायर की है। इस याचिका में महिलाओं और लड़कियों के खिलाफ यौन हिंसा की महामारी की तत्काल न्यायिक जांच की मांग की गई है, जिसमें अल्पसंख्यकों को विशेष रूप से और असंगत रूप से निशाना बनाने पर विशेष ध्यान देने की बात कही गई है।

अ'२ड्ड फ्ीं

निक्की भाटी के बाद अब मां-बेटी दहेज की आग में जलकर मौत, पिता ने कहा- दरिंदों ने लाडली को मार डाला

(एजेंसी)।

ग्रेटर नोएडा में निक्की भाटी की दहेज के लिए हत्या के बाद अब राजस्थान के जोधपुर से दिल दहलाने वाली खबर ने पूरे देश को झकझोर दिया है। 22 अगस्त 2025 को 22 वर्षीय स्कूल लेक्चरर संजू बिश्नोई और उनकी 3 साल की मासूम बेटी यशस्वी को दहेज की लालच ने आग की लपटों में झोंक दिया।

संजू ने अपनी बेटी के साथ खुद पर पेट्रोल डालकर आग लगा ली, जिसमें यशस्वी की मौके पर ही मौत हो गई, और संजू ने 23 अगस्त को अस्पताल में दम तोड़ दिया। छानबीन में पुलिस को पता चला कि मरने से पहले संजू ने एक नोट में पति दिलीप बिश्नोई, सास, ससुर, ननद, और एक अन्य व्यक्ति गणपत सिंह पर उत्पीड़न का सनसनीखेज आरोप लगाया हैं।

'मेरी बेटी छीन लिया', पिता का छलका दर्द

संजू के पिता ओमाराम बिश्नोई ने आंसुओं में डूबकर बताया, 'मेरी बेटी छीन लिया।' सुसाइड नोट में संजू ने लिखा कि पति दिलीप, सास, ससुर, ननद, और गणपत सिंह ने उसे शारीरिक और मानसिक रूप से प्रताड़ित किया। नोट में गणपत सिंह का जिक्र खास तौर पर है, जो कथित तौर पर दिलीप के साथ मिलकर संजू को सताता था।

क्या हुआ जोधपुर में?

22 अगस्त की दोपहर करीब 3:00 बजे, डांगियावास थाना क्षेत्र के सरनाडा गांव में संजू अपने घर पर अकेली थीं। पति दिलीप और ससुराल वाले घर पर नहीं थे। स्कूल से लौटने के बाद संजू ने अपनी बेटी यशस्वी को गोद में लिया और पेट्रोल डालकर आग लगा ली। पड़ोसियों ने घर से धुआं और चीखें सुनीं, लेकिन जब तक वे पहुंचे, यशस्वी की मौत हो चुकी थी। संजू को गंभीर हालत में जोधपुर के मथुरादास माथुर अस्पताल ले जाया गया, जहां 23 अगस्त की सुबह उनकी मौत हो गई। पड़ोसी रामलाल ने बताया, 'हमने धुआं देखा और दौड़े, लेकिन सब खत्म हो चुका था। संजू की चीखें और मासूम यशस्वी का जलना देखकर हमारा दिल टूट गया।'

पुलिस की कार्रवाईः सुसाइड नोट और सबूत जब्त

डांगियावास थाना पुलिस ने तुरंत मौके पर पहुंचकर शवों को कब्जे में लिया। फोरेंसिक साइंस लैब (ऋछ) की टीम ने पेट्रोल की बोतल, कपड़े, और अन्य सबूत इकट्ठे किए। संजू का मोबाइल फोन भी जब्त किया गया। सुसाइड नोट में लिखे आरोपों के आधार पर पुलिस ने पति दिलीप बिश्नोई, सास, ससुर, और ननद के खिलाफ क्ढउ की धारा 306 (आत्महत्या के लिए उकसाना) और 498अ (दहेज उत्पीड़न) के तहत मामला दर्ज किया।

विधायक की शिकायत के बाद देवरिया में ओवरब्रिज के पास कथित अवैध मजार विस्तार की जांच शुरू

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के एक जिले में अधिकारियों ने देवरिया-गोरखपुर मार्ग पर एक ओवरब्रिज के पास स्थित एक मंदिर के कथित अवैध विस्तार की जांच शुरू कर दी है। यह कार्रवाई स्थानीय भाजपा विधायक शलभ मणि त्रिपाठी की शिकायत के बाद की गई है। 25 जून को दी गई शिकायत मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ को संबोधित थी, जिसके बाद प्रमुख सचिव संजय प्रसाद ने जिला मजिस्ट्रेट और पुलिस अधीक्षक को भूमि अभिलेखों का सत्यापन करने और किसी भी अवैध अतिक्रमण को हटाने का निर्देश दिया।

देवरिया में मजार विस्तार की जांच

त्रिपाठी की शिकायत में इस बात पर प्रकाश डाला गया है कि मंदिर के प्रांगण का विस्तार बंजर भूमि, एक नाले और बिना किसी स्पष्ट मंजूरी के एक राष्ट्रीय राजमार्ग के एक हिस्से पर हो गया है। उन्होंने सवाल किया कि एक रेलवे ओवरब्रिज के पास निर्माण की अनुमति कैसे दी गई और क्या इसके लिए कोई मानचित्र स्वीकृत किया गया था। त्रिपाठी ने 28 साल पहले की एक घटना को भी याद किया, जब वरिष्ठ आरएसएस प्रचारक रामनगीना यादव ने मंदिर की वैधता पर सवाल उठाया था और बाद में रहस्यमय परिस्थितियों में कथित तौर पर इसकी उपस्थिति का विरोध करने के लिए उनकी हत्या कर दी गई थी।

विधायक ने चिंता व्यक्त की कि स्थानीय लोगों ने मंदिर के खिलाफ कानूनी कार्रवाई बंद कर दी क्योंकि उन्हें परिणाम भुगतने का डर था। उन्होंने स्थल पर हाल की संदिग्ध गतिविधियों पर भी ध्यान दिया, जिसमें बाहरी लोग बड़ी संख्या में जमा हो रहे थे। त्रिपाठी ने लखनऊ से एक विशेष टीम से भूमि के स्वामित्व के रिकॉर्ड की समयबद्ध जांच करने, मंदिर की वैधता का सत्यापन करने और यह पता लगाने का अनुरोध किया है कि क्या कोई स्वीकृत लेआउट योजना मौजूद है।

त्रिपाठी ने अतिक्रमण की पुष्टि होने पर सरकारी भूमि को मुक्त कराने के लिए तत्काल कार्रवाई की मांग की और मंदिर के नाम पर की गई गतिविधियों की जांच की मांग की। स्थानीय अधिकारियों ने पुष्टि की कि उनकी शिकायत के जवाब में एक जांच शुरू कर दी गई है।

नीट की तैयारी कर रही छात्रा की घर में गोली मारकर हत्या, क्या ब्रेकअप बनी कत्ल की वजह?

(एजेंसी)।

पश्चिम बंगाल के नदिया जिले के कृष्णानगर में 25 अगस्त 2025 को एक दिल दहलाने वाली घटना ने पूरे इलाके में सनसनी मचा दी। 19 वर्षीय कॉलेज छात्रा इशिता मलिक की उनके ही घर में गोली मारकर हत्या कर दी गई।

पुलिस को शक है कि इस क्रूर हत्याकांड के पीछे इशिता का पूर्व प्रेमी, 23 वर्षीय देबराज सिंह है, जिसके साथ उसका रिश्ता टूट चुका था। आरोपी हत्या के बाद रिवॉल्वर लेकर फरार हो गया, और पुलिस ने उसकी तलाश में व्यापक छापेमारी शुरू कर दी है।

क्या हुआ कृष्णानगर में?

25 अगस्त 2025 की दोपहर करीब 2:30 बजे, कृष्णानगर के मणिकपारा इलाके में इशिता मलिक अपने घर पर अकेली थीं। उनके पिता ऑफिस गए थे, और मां छोटे भाई को स्कूल से लेने गई थीं। इसी दौरान देबराज सिंह ने घर में घुसकर इशिता को नजदीक से गोली मार दी। एक पड़ोसी ने बताया, "गोली की आवाज सुनकर हम दौड़े, लेकिन तब तक वह खून से लथपथ पड़ी थी। एक आदमी रिवॉल्वर लिए भागता दिखा।" इशिता को शक्तिनगर अस्पताल ले जाया गया, जहाँ डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। पोस्टमॉर्टम रिपोर्ट में दो गोलियों के घाव की पुष्टि हुई है।

ब्रेकअप बना हत्या का कारण

पुलिस की प्रारंभिक जांच में पता चला कि इशिता और देबराज सिंह की जान-पहचान 2023 में कांचरापाड़ा में पढ़ाई के दौरान हुई थी। दोनों का रिश्ता शुरू हुआ, लेकिन हाल के महीनों में इशिता ने देबराज से दूरी बना ली थी। पुलिस सूत्रों के मुताबिक, देबराज इशिता के इस फैसले से गुस्से में था और बार-बार उनके घर आकर उनसे मिलने की कोशिश करता था। रढ कृष्णानगर, के अमरनाथ ने बताया, "इशिता ने देबराज से बातचीत बंद कर दी थी, जिससे वह आक्रोशित था। हम मानते हैं कि यह हत्या सुनियोजित थी।"

इशिता की कहानीः मेडिकल का सपना अधूरा

इशिता मलिक एक होनहार छात्रा थीं, जो ठएएळ की तैयारी कर रही थीं। उन्होंने 2023 में कृष्णानगर के विक्टोरिया कॉलेज में दाखिला लिया था, लेकिन मेडिकल कॉलेज में प्रवेश के लिए पढ़ाई पर ध्यान देने के लिए कॉलेज स्थगित कर दिया था। वह जल्द ही मेडिकल कॉलेज में दाखिला लेने वाली थीं। उनके परिवार और दोस्तों के लिए यह हत्या एक गहरा सदमा है। एक रिश्तेदार ने कहा, "इशिता का सपना डॉक्टर बनना था। उसकी मेहनत और लगन को देखकर हमें गर्व था, लेकिन इस हत्यारे ने सब खत्म कर दिया।"

पुलिस की कार्रवाईः देबराज की तलाश तेज

कृष्णानगर कोतवाली पुलिस ने तुरंत घटनास्थल पर पहुंचकर शव को पोस्टमॉर्टम के लिए भेजा। फोरेंसिक टीम गोली के घावों और अन्य सबूतों की जांच कर रही है। देबराज सिंह, जो पास के मोहनपुर का रहने वाला है, फरार है। पुलिस ने उसके खिलाफ क्ढउ की धारा 302 (हत्या) और आर्म्स एक्ट के तहत मामला दर्ज किया है। रढ ने बताया, "हमने कई टीमें गठित की हैं, और उउळश फुटेज की जाँच की जा रही है। जल्द ही आरोपी को पकड़ लिया जाएगा।"

क्या मिलेगा इंसाफ?

इशिता मलिक की हत्या ने पश्चिम बंगाल में महिलाओं की सुरक्षा और ब्रेकअप से जुड़े हिंसक अपराधों पर सवाल खड़े किए हैं।

दिल्ली सरकार ने नवाचार और विकास को बढ़ावा देने के लिए स्टार्ट-अप नीति 2025 का मसौदा जारी किया

(एजेंसी)।

दिल्ली सरकार ने 2035 तक 5,000 स्टार्ट-अप स्थापित करने के उद्देश्य से एक मसौदा स्टार्ट-अप नीति का अनावरण किया है, जो शहर को एक वैश्विक नवाचार केंद्र के रूप में स्थापित कर रहा है। वित्तीय सहायता प्रदान करने के लिए दिल्ली स्टार्ट-अप वेंचर कैपिटल फंड के लिए 200 करोड़ रुपये का कोष प्रस्तावित है। हितधारकों की प्रतिक्रिया के लिए खुला यह मसौदा नीति 18 प्रमुख क्षेत्रों पर ध्यान केंद्रित करते हुए 10-वर्षीय योजना की रूपरेखा तैयार करता है।

दिल्ली की नई स्टार्ट-अप नीति का लक्ष्य विकास है

यह नीति स्वास्थ्य सेवा, आतिथ्य, फिनटेक, ऑटोमोटिव उद्यमों, ई-कचरा प्रबंधन, रसद, गेमिंग, ग्रीन टेक्नोलॉजी और रोबोटिक्स जैसे क्षेत्रों को लक्षित करती है। आर्टिफिशियल इंटेलिजेंस, मशीन लर्निंग, इंटरनेट ऑफ थिंग्स, रंर, बायोटेक्नोलॉजी, ऑगमेंटेड रियलिटी और ड्रोन जैसी उभरती हुई तकनीकों को भी प्राथमिकता दी जाती है। बाजार की मांग और तकनीकी प्रगति के आधार पर अतिरिक्त फोकस क्षेत्रों को जोड़ा जा सकता है।

राजकोषीय प्रोत्साहन में तीन वर्षों के लिए प्रति वर्ष 10 लाख रुपये तक के कार्यक्षेत्र के पट्टे के किराए का पूर्ण प्रतिपूर्ति शामिल है। भारतीय पेटेंट के लिए पेटेंट दाखिल करने की लागत 1 लाख रुपये तक और अंतर्राष्ट्रीय पेटेंट के लिए 3 लाख रुपये तक की प्रतिपूर्ति की जाती है। प्रदर्शनी भागीदारी की लागत भी शामिल हैः घरेलू आयोजनों के लिए 5 लाख रुपये और अंतर्राष्ट्रीय आयोजनों के लिए 10 लाख रुपये।

आवेदन प्रक्रिया और सहायता प्रणाली

योग्य आवेदक आवश्यक दस्तावेजों के साथ दिल्ली सिंगल विंडो सिस्टम के माध्यम से आवेदन कर सकते हैं। एक नोडल एजेंसी आवेदनों की समीक्षा करेगी और उन्हें अंतिम अनुमोदन के लिए एक स्टार्ट-अप टास्क फोर्स को अग्रेषित करेगी। सूचनाएं एक स्टार्ट-अप पोर्टल के माध्यम से भेजी जाएंगी। सरकार उद्यमिता को बढ़ावा देने के लिए उन्नत बुनियादी ढांचे और सहायता प्रणालियों का वादा करती है।

दिल्ली इन्क्यूबेशन हब नेटवर्क के माध्यम से वर्चुअल इन्क्यूबेशन सेवाएं प्रदान की जाएंगी, जो विशेषज्ञों और सलाहकारों तक पहुंच प्रदान करती हैं। उद्योग संघों को एक स्टार्ट-अप फेस्टिवल आयोजित करने के लिए शामिल किया जाएगा, जो वैश्विक स्तर पर नवाचारों को प्रदर्शित करने के लिए एक मंच प्रदान करेगा।

कार्यान्वयन और निगरानी

उद्योग विभाग नीति कार्यान्वयन के लिए नोडल एजेंसी के रूप में कार्य करेगा। उद्योग आयुक्त के नेतृत्व वाली एक निगरानी समिति और एक स्टार्ट-अप टास्क फोर्स प्रक्रिया की देखरेख करेगी। यह संरचित दृष्टिकोण दिल्ली में एक फलते-फूलते स्टार्ट-अप इकोसिस्टम को बढ़ावा देने का लक्ष्य रखता है।

तनिष्ठा चटर्जी को हुआ स्टेज-4 कैंसर, शेयर की दिल दहलाने वाली फोटो, बयां किया दर्द

(एजेंसी)।

बॉलीवुड फिल्म इंडस्ट्री की प्रतिभाशाली एक्ट्रेस्स में से एक तनिष्ठा चटर्जी इस समय लोगों के बीच चर्चा का विषय बनी हुई हैं। दरअसल उन्होंने हाल ही में सोशल मीडिया पर खुलासा किया है कि वह स्टेज-4 ओलिगो मेटास्टेटिक कैंसर से जूझ रही हैं।

तनिष्ठा चटर्जी को हुआ स्टेज-4 कैंसर

अपने कैंसर के संघर्ष के बारे में बताते हुए एक्ट्रेस तनिष्ठा चटर्जी ने हिम्मत भरी मुस्कान के साथ अपनी कुछ तस्वीरें भी सोशल मीडिया पर शेयर की हैं। उन्होंने बताया कि किस तरह उनकी 70 वर्षीय मां और 9 साल की बेटी पूरी तरह उन पर निर्भर हैं।

मजबूती से कैंसर का सामना कर रही हैं एक्ट्रेस

ऐसे में तनिष्ठा चटर्जी न केवल अपने लिए बल्कि अपने परिवार के लिए भी मजबूती से इस लड़ाई का सामना कर रही हैं। तनिष्ठा चटर्जी ने दिल दहला देने वाली तस्वीर के साथ एक भावुक पोस्ट भी शेयर किया है। इस पोस्ट में एक्ट्रेस ने लिखा है- पिछले 8 महीने बेहद कठिन रहे हैं।

अ'२ड्ड फ्ीं

हिना खान के पति हुए 'प्रेग्नेंट', बेबी बंप के साथ किया घर का सारा काम, वीडियो में दिखा कुछ ऐसा

हिना खान के पति हुए 'प्रेग्नेंट', बेबी बंप के साथ किया घर का सारा काम, वीडियो में दिखा कुछ ऐसा

तनिष्ठा चटर्जी ने लिखा भावुक पोस्ट

-तनिष्ठा चटर्जी ने आगे लिखा है- कैंसर से अपने पिता को खोना ही काफी नहीं था कि मुझे भी ये बीमारी हो गई। लेकिन ये पोस्ट दर्द के बारे में नहीं, बल्कि प्यार और हौसले के बारे में है। मेरी मां और बेटी को मेरी जरूरत है और यही मुझे मजबूत बनाए रखता है।

-तनिष्ठा चटर्जी ने बताया कि इस कठिन दौर में उन्हें अपने दोस्तों और परिवार का ऐसा अटूट साथ मिला, जिसने उन्हें कभी अकेला महसूस नहीं होने दिया। तनिष्ठा के अनुसार, उनके करीबियों का समर्थन और प्यार उनके जीवन में मुस्कान वापस लाने का सबसे बड़ा कारण बना है।

'इंडस्ट्री के दोस्तों का भी मिला सपोर्ट'

-तनिष्ठा चटर्जी ने अपनी पोस्ट में दिव्या दत्ता, लारा दत्ता, शबाना आजमी, विद्या बालन, तन्वी आजमी और कोंकणा सेन शर्मा के साथ अपनी एक ग्रुप फोटो भी शेयर की है। इस फोटो को शेयर करते हुए उन्होंने लिखा है- इस दौर में दोस्तों की सच्ची दोस्ती और औरतों के बीच का बहनचारा मेरे लिए सबसे बड़ी ताकत बना है।

-वहीं तनिष्ठा चटर्जी के इस पोस्ट पर इंडस्ट्री के कई कलाकारों ने कमेंट करते हुए अपना प्यार दिया है और शुभकामनाएं भेजी हैं। एक्ट्रेस दीया मिर्जा ने लिखा है- हम तुमसे प्यार करते हैं तन तन, तुम हमारी योद्धा राजकुमारी हो।

-वहीं कोंकणा सेन शर्मा ने लिखा है- तुम वाकई अद्भुत और प्रेरणादायक हो। अभय देओल और सुनीता राजवार ने भी एक्ट्रेस के जज्बे की तारीफ की है और ढेर सारा प्यार भेजा है।

इन प्रोजेक्ट्स पर काम कर चुकी हैं तनिष्ठा चटर्जी

तनिष्ठा चटर्जी ने अंतरराष्ट्रीय और भारतीय सिनेमा दोनों में अपनी पहचान बनाई है। उन्हें 'शैडोज ऑफ टाइम', 'ब्रिक लेन', 'जलपरीः द डेजर्ट मरमेड', 'देख इंडियन सर्कस', 'भोपालः प्रेयर फॉर रेन', 'पार्च्ड' और 'बियॉन्ड द क्लाउड्स' जैसी फिल्मों में दमदार अभिनय के लिए काफी तारीफ मिली है।

सपा के पाले माफिया मेरी जान के दुश्मन, अखिलेश के बयान से अपराधियों के हौसले बुलंदः एमएलए पूजा ने सपा के राज खोले!

(एजेंसी)।

उत्तर प्रदेश के कौशांबी जिले की चायल विधानसभा से विधायक पूजा पाल ने समाजवादी पार्टी (रढ) प्रमुख और पूर्व मुख्यमंत्री अखिलेश यादव पर गंभीर आरोप लगाए हैं। हाल ही में रढ से निष्कासित पूजा ने एक पत्र के जरिए दावा किया कि सपा द्वारा संरक्षित माफिया और गुंडों से उनकी जान को खतरा है।

उन्होंने साफ कहा, 'अगर मेरी हत्या होती है, तो इसके लिए अखिलेश यादव और समाजवादी पार्टी जिम्मेदार होंगे।' यह पत्र सोशल मीडिया पर वायरल हो गया है, जिसने उत्तर प्रदेश की सियासत में हड़कंप मचा दिया है।

पत्र में पूजा पाल के गंभीर आरोप

पूजा पाल ने अपने पत्र में अखिलेश यादव पर माफिया को संरक्षण देने और उनकी जान को खतरे में डालने का आरोप लगाया। उन्होंने लिखा, '2005 में मेरे पति, बसपा विधायक राजू पाल की सपा शासनकाल में प्रयागराज में दिनदहाड़े एके-47 से हत्या कर दी गई थी। उस समय सपा ने मेरे परिवार का साथ देने के बजाय हत्यारे माफिया अतीक अहमद के भाई अशरफ को तीन बार मेरे खिलाफ प्रत्याशी बनाया।' पूजा ने कहा कि सपा ने हमेशा अपराधियों का साथ दिया, जिसके चलते आज उनकी जान को खतरा है।

उन्होंने अखिलेश पर तंज कसते हुए कहा, 'आपके बयानों ने अपराधियों के हौसले बुलंद किए हैं। मेरे निष्कासन ने माफिया के परिवार को और हिम्मत दी है। अगर मेरी हत्या होती है, तो सपा और आप जिम्मेदार होंगे।'

सपा से निष्कासन की क्या वजह? योगी की तारीफ और अतीक का नाम

14 अगस्त 2025 को पूजा पाल को सपा से निष्कासित कर दिया गया था। इसका कारण था उनकी ओर से विधानसभा में उट योगी आदित्यनाथ की 'माफिया के खिलाफ जीरो टॉलरेंस नीति' की तारीफ और माफिया अतीक अहमद का नाम लेना। पूजा ने कहा,'मुझे क्रॉस वोटिंग के लिए नहीं, बल्कि अतीक अहमद का नाम लेने के लिए निकाला गया। सपा अपराधियों की बुराई बर्दाश्त नहीं कर सकती।'

पूजा ने 13 अगस्त को विधानसभा में कहा था, 'मेरे पति की हत्या के बाद पूरा सदन जानता है कि हत्यारा कौन था। जब कोई मेरी नहीं सुन रहा था, तब उट योगी ने मेरे मूक आंसुओं को देखा और मुझे इंसाफ दिलाया।' इस बयान के बाद अखिलेश ने उन्हें 'पार्टी विरोधी गतिविधियों और अनुशासनहीनता' के लिए तत्काल निष्कासित कर दिया।

पति राजू पाल की हत्या और सपा का रवैया

पूजा पाल के पति राजू पाल, जो बसपा विधायक थे, की 2005 में प्रयागराज में माफिया अतीक अहमद और उनके भाई अशरफ ने कथित तौर पर हत्या कर दी थी। यह हत्या 2004 के उपचुनाव में राजू द्वारा अशरफ को हराने के बाद राजनीतिक प्रतिद्वंद्विता का नतीजा थी। पूजा ने आरोप लगाया कि सपा ने न केवल हत्यारों का साथ दिया, बल्कि अशरफ को उनके खिलाफ 2005, 2007, और 2012 में प्रत्याशी बनाया।

उन्होंने कहा, 'जब मैं विधवा हुई, तब मुझे सहारे की जरूरत थी। लेकिन सपा ने मेरे पति के हत्यारे को मुझसे मुकाबले में उतारा। मेरे क्षेत्र की जनता और पाल समाज ने मुझे जीत दिलाई।' पूजा ने 2007 और 2012 में बसपा के टिकट पर जीत हासिल की, और 2022 में सपा के टिकट पर चायल से विधायक बनीं।

योगी सरकार की तारीफः इंसाफ का आधार

पूजा ने योगी आदित्यनाथ की सरकार की तारीफ करते हुए कहा कि उनके शासन में उनके पति के हत्यारे अतीक अहमद और अशरफ को सजा मिली। 2023 में अतीक और अशरफ को पुलिस कस्टडी में अज्ञात बदमाशों ने गोली मार दी गई, जबकि अतीक का बेटा असद झांसी में मुठभेड़ में मारा गया। पूजा ने कहा, 'योगी सरकार ने 18 साल बाद मुझे इंसाफ दिया। सपा शासन में मेरी कोशिशें नाकाम रहीं।'

अखिलेश का जवाबः 'हमें जेल भेजा जा सकता है'

अखिलेश यादव ने पूजा के पत्र पर प्रेस कॉन्फ्रेंस में जवाब दिया, 'यह समझ से परे है कि कोई उट से मिले और उसे दूसरी पार्टी से खतरा हो। हमें तो जेल भेजा जा सकता है। इखढ वाले हमें मार डालेंगे। अगर किसी को खतरा है, तो इसकी जांच होनी चाहिए।'

उन्होंने यह भी कहा कि सपा ने पूजा को टिकट देकर विधायक बनाया, लेकिन अब वह इखढ की तारीफ कर रही हैं।

अखिलेश ने केंद्र के गृह मंत्री को पत्र लिखकर जांच की मांग की। पूजा ने इस पर पलटवार करते हुए कहा, 'मेरे पति की हत्या सपा शासन में हुई थी। तब से आज तक किसी सरकार में ऐसा अपराध नहीं हुआ। सपा के पाले हुए माफिया मेरी जान ले सकते हैं।'

सपा का ढऊ्अ फॉमूर्ला और जातिगत भेदभाव का आरोप

पूजा ने सपा के 'पिछड़ा, दलित, अल्पसंख्यक' (ढऊ्अ) फॉमूर्ले पर तंज कसा, 'अखिलेश इसका अर्थ बार-बार बदलते हैं। मैं एक बेसहारा पाल समाज की बेटी हूं, लेकिन सपा में दलित, डइउ, और अतिपिछड़ों को